जबलपुर, भोपाल, मंडला, कटनी, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष- 20 अंक-278 ● जबलपुर ● बुधवार, 11 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 14 ● विक्रम संवत् 2083

हंसकर काम करो ताकि मन हल्का रहे। तनाव के साथ काम आगे नहीं बढ़ता।



10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कार

देश में जबलपुर ने पाया दूसरा स्थान, आज दिल्ली में राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित



मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने बधाई दी

जबलपुर, यशभारत / देश भर में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कार के मामले में जबलपुर ने बाजी मारते हुए दूसरा स्थान प्राप्त कर अपनी विशिष्टता साबित की है। यह पुरस्कार आज शाम नई दिल्ली के एक गरिमामय समारोह में जबलपुर के महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू, नगर निगम के तत्कालीन कमिश्नर रामप्रसाद अहिरवार एवं वर्तमान कमिश्नर अग्रिम कुमार सहित पूरी टीम ने प्राप्त करेगी।





देश भर के 4,909 शहरों ने स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कारों के लिये अपनी दावेदारी प्रस्तुत की थी। जिसमें मध्य प्रदेश के कई शहरों ने अलग-अलग कैटेगरी में पुरस्कार प्राप्त किये हैं। स्वच्छता के नये प्रमुख शहरों (जिनकी आबादी 10 लाख से अधिक है), में जहां विशाखापट्टनम ने बाजी मारते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं जबलपुर इस प्रमुख वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त करने में सफल रहा। इससे पूर्व इतना उच्च पुरस्कार जबलपुर के खाते में नहीं आया था। लखनऊ जैसा महानगर इस कैटेगरी में जबलपुर से पिछड़ कर तीसरे स्थान पर रहा।

म.प्र. के अन्य शहर इंदौर, भोपाल, देवास, उज्जैन, बुधनी, ग्वालियर, रीवा व सागर ने भी अन्य कैटेगरी से पुरस्कार प्राप्त किये हैं। इन शहरों की टीमों को आज दिल्ली में मध्यप्रदेश हाउस में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने बधाई दी।इस गरिमामय पुरस्कार को प्राप्त करने के लिये महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू, तत्कालीन महापौर रामप्रसाद अहिरवार, वर्तमान कमिश्नर अग्रिम कुमार एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम नई दिल्ली पहुंच रही है। जहां महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू यह पुरस्कार प्रदान करेंगी। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री के साथ-साथ जबलपुर के सभी गणमान्य नागरिकों ने बधाई दी है।

गुवाहाटी के पास बड़ा रेल हादसा, कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस के छह डिब्बे और इंजन पटरी से उतरे, कई यात्री घायल

गुवाहाटी, एजेंसी। *असम में बुधवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा हो गया। गुवाहाटी के बाहरी इलाके में डिगारू रेलवे स्टेशन के पास कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस के छह डिब्बे और इंजन पटरी से उतर गए। हादसे में कई यात्रियों के घायल होने की सूचना है। हालांकि, रेलवे अधिकारियों ने फिलहाल किसी की मौत की पुष्टि नहीं की है। घायलों की वास्तविक संख्या और उनकी स्थिति को लेकर आधिकारिक जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।*



रेलवे अधिकारियों के अनुसार, हादसा बुधवार सुबह करीब 6 बजकर 54 मिनट पर हुआ। मिजोरम के सैरांग से कोलकाता जा रही एक्सप्रेस ट्रेन डिगारू स्टेशन के पास पहुंची थी, तभी उसके छह कोच और इंजन पटरी से उतर गए। अचानक हुए इस हादसे के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके के लिए रवाना हो गए और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सुबह 6:54 बजे ट्रेन के छह डिब्बे पटरी से उतरे। रेलवे की टीमें घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का आकलन कर रही हैं। हादसे में कई यात्रियों के घायल होने की जानकारी मिली है। घायलों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए रेलवे और स्थानीय प्रशासन के स्तर पर इंतजाम किए जा रहे हैं। हादसे के कारण इस रेल मार्ग पर परिचालन प्रभावित होने की आशंका है। रेलवे कर्मचारी दुर्घटनाग्रस्त डिब्बों को हटाने और ट्रैक को दुरुस्त करने में जुटे हैं, ताकि रेल यातायात जल्द सामान्य किया जा सके। फिलहाल दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। रेलवे ने हादसे की परिस्थितियों की विस्तृत जांच किए जाने की बात कही है। राहत और बहाली अभियान जारी है तथा दुर्घटना से जुड़ी विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।

29 अक्टूबर- असम में पैसेंजर ट्रेन के इंजन की ट्रॉली पटरी से उतरी- असम के लुमडिंग-बदरपुर पहाड़ी रेलखंड में सिलचर-गुवाहाटी एक्सप्रेस के इंजन की आगे की ट्रॉली पटरी से उतर गई थी। नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे (ह्लस्रञ्ज) के मुताबिक, घटना सुबह करीब 8:50 बजे बदरपुर और सुकरितिपुर स्टेशनों के बीच हुई थी। हादसे में किसी यात्री के घायल होने या मौत की खबर नहीं है।

20 दिसंबर 2025- असम में राजधानी एक्सप्रेस के 5 डिब्बे-इंजन पटरी से उतरे, ट्रेन से टकराने पर 7 हाथियों की मौत- असम के होजाई जिले में हाथियों का एक झुंड सैरंग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया था। हादसे में सात हाथियों की मौत हो गई थी और एक हाथी का बच्चा घायल हुआ था। हादसे में ट्रेन का इंजन और पांच कोच भी पटरी से उतर गए थे।

प्रियांक खड़गे के खिलाफ पुलिस में शिकायत, आरएसएस पर भ्रामक जानकारी फैलाने का आरोप

बेंगलुरु,ईएमएस। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे के खिलाफ बेंगलुरु में पुलिस शिकायत दर्ज कराई गई है। उन पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बिहार और हरियाणा में जिंदा कारतूस बरामद होने की घटनाओं को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जोड़कर कथित तौर पर गलत और भ्रामक जानकारी प्रसारित करने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मंत्री की ओर से साझा की गई जानकारी तथ्यों के विपरीत है और इससे सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने के साथ ही लोगों को भड़काने की आशंका है। शिकायत में मामले में एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। साथ ही कहा गया है कि गृह मंत्री जैसे संवैधानिक पद पर होने के बावजूद प्रियांक खड़गे को जांच के दायरे से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए।

फूलों से सजा गंगोत्री धाम शीतकाल के लिए बंद हुए कपाट

सेना के बैंड की धुन के साथ मुखबा के लिए रवाना हुई मां गंगा की डोली, छह महीने वहीं होगी पूजा-अर्चना



गंगोत्री,यशभारत। उत्तराखंड के उत्तरकाशी स्थित गंगोत्री धाम के कपाट 10 नवंबर को दोपहर 12:05 बजे वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। कपाट बंद होने के साथ ही मां गंगा की उत्सव डोली सेना के बैंड की मधुर धुनों के बीच शीतकालीन प्रवास के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर पूरे मंदिर परिसर को पांच क्विंटल फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मंदिर के कपाट इस वर्ष 19 अप्रैल को श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोले गए थे।

कपाट बंद होने के अवसर पर गंगोत्री धाम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। सुबह करीब 200 श्रद्धालु धाम में मौजूद थे, लेकिन कपाट बंद होने से पहले इनकी संख्या बढ़कर एक हजार से अधिक हो गई। कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं में मां गंगा के अंतिम दर्शन को लेकर खासा उत्साह रहा। धाम में सुबह का तापमान शून्य से 10 डिग्री नीचे दर्ज किया गया, जबकि दिन के समय भी पारा माइनस 2 से 3 डिग्री के बीच बना रहा। मंदिर समिति के अनुसार, इस वर्ष यात्रा सीजन के दौरान करीब 10 लाख श्रद्धालुओं ने गंगोत्री धाम पहुंचकर मां गंगा के दर्शन किए। कपाट बंद होने के बाद मां गंगा की उत्सव डोली करीब 25 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर मुखबा पहुंचेगी। इस यात्रा में पहला पड़ाव गंगोत्री धाम से करीब आठ किलोमीटर दूर स्थित भैरव मंदिर होगा। यहां दर्शन और धार्मिक परंपराओं के निर्वहन के बाद डोली आगे रवाना होगी। इसके बाद करीब 16 किलोमीटर की यात्रा कर डोली मार्कण्डेय मंदिर पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम किया जाएगा। 11 नवंबर को डोली यहां से करीब एक किलोमीटर की दूरी तय कर मुखबा मंदिर पहुंचेगी। इसके साथ ही अगले छह महीनों तक मुखबा में ही मां गंगा की नियमित पूजा-अर्चना होगी और श्रद्धालु वहीं पहुंचकर दर्शन कर सकेंगे। चारधाम यात्रा के तहत अन्य प्रमुख मंदिरों के कपाट बंद होने का कार्यक्रम भी निर्धारित है। यमुनोत्री और केदारनाथ धाम के कपाट 11 नवंबर को क्रमशः सुबह 10.28 बजे और 8.30 बजे शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। वहीं, बद्रीनाथ धाम के कपाट 16 नवंबर को रात 9:37 बजे बंद होंगे। शीतकाल के दौरान यमुनोत्री की पूजा खरसाली, केदारनाथ की पूजा ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर तथा बद्रीनाथ की पूजा पांडुकेश्वर और जोशीमठ में संपन्न होगी। इस तरह हिमालयी धामों में शीतकालीन प्रवास की धार्मिक परंपरा के साथ चारधाम यात्रा का यह चरण विराम लेगा।

बिरसिंहपुर पाली में पटाखे के ऊपर रखी स्टील की गिलास धमाके से उछली

9 साल के बच्चे के पेट में घुसी

गंभीर हालत में शहडोल रेफर



उमरिया, यशभारत। दीपावली पर आतिशबाजी के दौरान बरती गई एक छोटी सी लापरवाही नौ वर्षीय बच्चे के लिए जानलेवा साबित होते-होते बची। बिरसिंहपुर पाली नगर के वार्ड क्रमांक 10 में पटाखा जलाने के दौरान हुए हादसे में स्टील की गिलास उछलकर बच्चे के पेट में जा लगी। टक्कर इतनी गंभीर थी कि उसके पेट में गहरा घाव हो गया और अंदरूनी अंग तक दिखाई देने लगे। गंभीर हालत में बच्चे को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे शहडोल रेफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, घटना मंगलवार शाम की है। वार्ड क्रमांक 10 निवासी सौकी बसोर का नौ वर्षीय बेटा हिमांशु घर के आंगन में पटाखे जला रहा था। इसी दौरान उसने पानी पीने के लिए रखी स्टील की गिलास जलते हुए पटाखे के ऊपर रख दी।

बच्चे को अंदाजा नहीं था कि धमाके के दबाव से गिलास इतनी तेज गति से उछल सकती है। जैसे ही पटाखा फूटा, धमाके के कारण स्टील की गिलास हवा में उछलकर सीधे हिमांशु के पेट से जा टकराई। टक्कर से उसके पेट में गहरा घाव हो गया। अचानक हुए हादसे के बाद घर में चीख-पुकार मच गई। बच्चे की हालत देखकर परिजन घबरा गए और उसे तत्काल निजी वाहन से बिरसिंहपुर पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। अस्पताल में चिकित्सकों ने बच्चे का प्राथमिक उपचार किया। पेट में गंभीर चोट और बेहतर चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता को देखते हुए उसे तत्काल हायर सेंटर शहडोल रेफर कर दिया गया। इसके बाद परिजन उसे लेकर शहडोल रवाना हो गए। फिलहाल बच्चे की आगे की चिकित्सा और स्वास्थ्य स्थिति को लेकर जानकारी सामने नहीं आई है।

एअर इंडिया की फ्लाइट को हाईजैक की धमकी

टॉयलेट में मिला नोटकोलकाता-मुंबई विमान में 93 यात्री और 5 क्रू मेंबर थे सवार पायलट ने एटीसी को दी सूचना, आइसोलेशन बे में भेजकर शुरू की गई जांच

कोलकाता,एजेंसी। एअर इंडिया की कोलकाता-मुंबई फ्लाइट में बुधवार सुबह हाईजैक की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। विमान के टॉयलेट में धमकी भरा नोट मिलने के बाद चालक दल ने तत्काल पायलट को इसकी जानकारी दी। पायलट ने बिना देर किए एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को अलर्ट किया। इसके बाद विमान को कोलकाता एयरपोर्ट के आइसोलेशन बे में भेज दिया गया, जहां सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू की। घटना के समय विमान में 93 यात्री और पांच क्रू मेंबर सहित कुल 98 लोग सवार थे।

जानकारी के मुताबिक, एअर इंडिया का एयरबस ए320नियो विमान बुधवार सुबह कोलकाता से मुंबई के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान क्रू मेंबर को विमान के टॉयलेट में एक नोट मिला, जिसमें विमान को हाईजैक करने की धमकी दी गई थी। नोट मिलने के बाद चालक दल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पायलट को सूचित किया। पायलट ने तत्काल एटीसी को इसकी जानकारी दी। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया, ताकि उसकी विस्तृत जांच की जा सके। सुरक्षा एजेंसियां नोट की सत्यता और धमकी के स्रोत का पता लगाने में जुट गईं। फिलहाल एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से घटना को लेकर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था।



हाल के महीनों में विमान हाईजैक की धमकी और कोशिश की तीन घटनाएं - बेंगलुरु से लखनऊ जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-451 को 7 नवंबर को हाईजैक करने की धमकी मिली थी। विमान के टॉयलेट में क्रू मेंबर्स को धमकी भरा नोट मिला था। इसके बाद पायलट ने एहतियातन विमान को वापस बेंगलुरु ले जाने का फैसला किया। फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-2030 की 13 अक्टूबर की सुबह जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी। जानकारी के मुताबिक, विमान से अहमदाबाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल को हाईजैक का अलर्ट मिला था। अलर्ट के बाद विमान करीब 45 मिनट तक हवा में रहा। शुरुआती जांच में पायलट की गलती से अलर्ट मैसेज भेजे जाने की बात सामने आई थी। हालांकि, पूछताछ के दौरान पायलट ने किसी भी तरह की गलती से इनकार किया था। दुबई से इजराइल के तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड-1073 में 30 सितंबर को उड़ान के दौरान हाईजैक जैसी गंभीर स्थिति बन गई थी। विमान में सवार ओमान के को-पायलट ने कॉकपिट में भारतीय कैप्टन सित मच्छर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया था। हमले में कैप्टन गंभीर रूप से घायल हो गए और विमान तेजी से नीचे आने लगा। इसके बावजूद कैप्टन ने हिम्मत नहीं हारी। चालक दल और यात्रियों ने मिलकर हमलावर को काबू में किया।

लाल स्ट्रीट पर बुल्स का कब्जा

सेंसेक्स 1250 अंक से अधिक उछला, निवेशकों की संपत्ति में भारी इजाफा

मुंबई,एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में आज गजब की तेजी दिखी है। मार्केट खुलते हैं स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ा उछाल दिखा है। ऐसा लग रहा है कि दलाल स्ट्रीट पर बुल्स का कब्जा हो गया है, जो निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। आज 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 82,258.68 पर खुला और 9 बजकर 19 मिनट में इसमें 1250 अंकों से अधिक की तेजी दर्ज की गई। यह हरे निशान में 1.55 फीसदी उछलकर 82,363.16 पर ट्रेड कर रहा था। इसके सभी 30 शेयर हरे निशान में दिखे। वहीं, 50 शेयरों वाले निफ्टी की बात करें तो इसमें भी बड़ी तेजी दिखी। यह आज 25,337.80 पर खुला और 9 बजकर 18 मिनट पर इसमें 301.65 अंक यानी कि 1.20 फीसदी की बढ़त दिखी। यह इस दौरान 25,346.30 पर कारोबार करते हुए दिखा। आइए जानते हैं कि निवेशकों की संपत्ति में कितना उछाल आया है और घरेलू बाजार में इस बड़ी तेजी की प्रमुख वजहें क्या हैं।

आनंद से अनुज तक 100 भारतीय चेस ग्रैंड मास्टर्स का सुहाना सफर

देश के 100 वें ग्रेंड-मास्टर्स का ताज,मप्र के पहले खिलाड़ी बने

जबलपुर, यशभारत। *सन् 2026 की दीपावली भारतीय शतरंज के इतिहास के लिये सुनहरा इतिहास लिख गई। इस दिन मध्यप्रदेश के युवा शतरंज खिलाड़ी अनुज श्रीवात्री ने न केवल स्वयं के लिये ग्रेंड-मास्टर का खिताब अर्जित किया, वरन देश के 100 वें ग्रेंड-मास्टर्स बनने को गौरव भी प्राप्त किया। वे मध्यप्रदेश के पहले ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने ग्रेंड-मास्टर्स के मामले में मध्यप्रदेश के सूखे को समाप्त कर दिया। इससे पहले मध्य प्रदेश के नाम पर एक भी ग्रैंड मास्टर दर्ज नहीं था।*

यूँ तो शतरंज का इतिहास बहुत पुराना है। कुछ लोग तो भारत को शतरंज का जनक भी मानते हैं। लेकिन आधुनिक शतरंज के खेल में भारत वर्षों तक गुमनामी के अंधेरे में रहा। कहने को भारत में शतरंज तो खेला जाता रहा लेकिन कोई विशेष उपलब्धि दर्ज नहीं थी। सन् 1988 में भारतीय शतरंज का सूर्य विश्व-पटल पर उदय हुआ, यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी। इस वर्ष तमिलनाडु के विश्वनाथन आनंद (विशु) ने ग्रेंड-मास्टर का टाइटल प्राप्त किया। वे भारत के पहले ग्रैंड मास्टर बने। लेकिन वे यहीं नहीं रुके, वरन 5 बार विश्व चैम्पियन बन कर ऐसा इतिहास रचा जिसे विश्व अब भी गौरव के साथ याद करता है। । सच कहें तो उनके शिखर पर पहुंचने के बाद देश में शतरंज का जुनून पैदा हुआ, लेकिन सन् 2000 तक भारत के झोली में आनंद के अलावा सिर्फ दिव्येंदु बरुआ (1991) तथा प्रवीण थिप्से (1997) ही ग्रेंड-मास्टर थे। तब तक शतरंज के दुनिया में सोवियत रूस, अमेरिका जैसे देशों की तूती बोलती थी। तब तक जर्मनी भी अपना दबदबा बना चुका था। सन 2000 के बाद भारतीय शतरंज ने थोड़ी रफ्तार पकड़ी। महिला खिलाड़ी भी अपना दमखम दिखाने लगीं। 2002 में कोनेरू हम्पी ने अपना ग्रेंड-मास्टर खिताब जीतकर सनसनी फैला दी। फिर द्रोणावली हरिका ने कमाल कर दिखाया। भारतीय शतरंज का यशस्वी दौर तो सन 2010 के बाद शुरू हुआ। जब एक के बाद एक नये शतरंज खिलाड़ी विश्व पटल पर धूम मचाने लगे । आज की स्थिति में डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानंद, अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती जैसी अनेक प्रतिभाएं हैं, जिसके सामने विश्व स्तरीय खिलाड़ भी चकरा जाते हैं। डी. गुकेश ने तो विश्वनाथन आनंद के बाद विश्व शतरंज चैंपियनशिप जीतने का नया इतिहास रच दिया। भारत के शतरंज इतिहास ने किस कदर गति पकड़ी है, इसका अंदाजा इस बात से ही लगता है कि भारत के 50 ग्रेंड मास्टर्स बनने में 30 साल लग गए, वही 50 से 100 ग्रेंड मास्टर्स बनने में सिर्फ 8 साल ही लगे। आज भारत चौथा ऐसा देश है जहां 100 से ज्यादा ग्रेंड मास्टर मौजूद हैं। पहले नंबर पर रूस है, जिसके खाते में 185 जीएम(ग्रेंड-मास्टर) दर्ज हैं । दूसरे स्थान पर अमेरिका है, जिसके 110 से ज्यादा खिलाड़ी यह खिताब पा चुके हैं। जर्मनी का आंकड़ा भारत के नजदीक ही हैं, इनके पास 103 ग्रेंड मास्टर हैं। इस दीपावली की रात भारत ने भी 100 का जादूई आंकड़ा छू लिया। मध्यप्रदेश के 22 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी अनुज श्रीवात्री ने 7 वें ASEAN प्लस इंडिविजुअल ओपन चेस चैंपियनशिप 2026 में खिताब जीता। उन्होंने आस्ट्रेलिया के मोरिस जेम्स को हराकर भारत के लिए 100 वें ग्रेंड-मास्टर का खिताब दिलाया। उनकी यह उपलब्धि जहां देश को गौरवान्वित करती है वहीं मध्यप्रदेश के लिये इतिहास गढ़ती है। यूँ तो मध्यप्रदेश के खाते में इंटरनेशनल खिलाड़ी (आईएम) तो हैं, लेकिन ग्रेंड मास्टर का खाता खोलने का रिकार्ड अनुज के नाम दर्ज हुआ।मध्यप्रदेश में अनुज के पीछे आयुष शर्मा रखें हैं। जिन्होंने जीएम के नॉर्म्स (Norms)तो प्राप्त कर लिए, लेकिन खिताब प्राप्त करना शेष है।



अनुज जबलपुर के वरिष्ठ कोच राजेश बहादुर के साथ

जबलपुर-कटनी से है गहरा नाता

जहां तक अनुज श्रीवात्री का सवाल है, उनका जन्म जबलपुर से गहरा नाता है। अनुज का जन्म निकटवर्ती कटनी जिले में हुआ है, लेकिन उन्होंने अपनी प्रारंभिक चेस की कोचिंग जबलपुर में प्राप्त की। वे वरिष्ठ कोच राजेश बहादुर के पास वर्षों तक सीखते रहे हैं। प्रारंभिक दौर में वे कई बार जबलपुर में शतरंज के टूर्नामेंट में शामिल होने आते रहे हैं। अब अनुज का परिवार भोपाल में बस गया है, किन्तु उनके पिता अशोक श्रीवात्री जबलपुर में पदस्थ हैं।

ईगल बैटरी
सोलर इनवर्टर बैटरी
लाईफ मैडीसिटी हॉस्पिटल के सामने आगा चौक
मो.न. 9200792000



विशुद्ध हेल्थ केयर
माइक्रोबायोलॉजी एवं पैथोलॉजी लेब
• ब्लडप्रेशर • डाइबिटीज • अस्थमा
• हृदय एवं थायराइड रोग हेतु समर्पित सेंटर
डॉ. अंकित सेठ
एम.डी., कंसल्टेंट फिजिशियन, डायबेटोलॉजिस्ट
डॉ. रीति सेठ
कंसल्टेंट माइक्रोबायोलॉजिस्ट
पता- 2365, राईट टाउन, P & T गेट नं. 4 के पास, मदन महल स्टेशन रोड, जबलपुर
Ph.: 0761-4035454, M: 9752000122

शुभांक-6-3-9

घर-घर में मना भाई दूज का पर्व, बहनों ने भाइयों को तिलक लगाकर मांगी लंबी उम्र

भाइयों ने बहनों को दिए उपहार, रक्षा का दिया वचन



जबलपुर,यशभारत। भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक भाई दूज का पर्व बुधवार को शहरभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में त्योहार की रौनक दिखाई दी। बहनों ने परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट किए और उनकी रक्षा तथा हर सुख-दुख में साथ निभाने का वचन दिया।

शहर के विभिन्न मोहल्लों और कॉलोनियों में भाई दूज को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। कहीं बहनें भाइयों के घर पहुंचीं तो कहीं भाई अपनी बहनों से मिलने पहुंचे। जिन बहनों के भाई दूसरे शहरों में रहते हैं, उन्होंने भी फोन और वीडियो कॉल के माध्यम से पर्व की खुशियां साझा कीं। घर-घर में तिलक, मिठाई और उपहारों के साथ भाई-बहन के रिश्ते की मिठास देखने को मिली।भाई दूज को देश के अलग-अलग हिस्सों में भैया दूज, भाऊ बीज, यम द्वितीया और भ्रातृ द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर मनाया जाने वाला यह पर्व भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, विश्वास और समर्पण को और मजबूत करता है।

केंद्रीय जेल में विंडो से हुआ भाई-बहनों का मिलन

भाई दूज के अवसर पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस केंद्रीय जेल में भी भावुक नजारा देखने को मिला। यहां बंदी भाइयों से मिलने के लिए सुबह से ही बहनों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। जेल प्रशासन द्वारा सुबह 8 बजे से मुलाकात की व्यवस्था की गई। शहरी और दूरदराज के क्षेत्रों से पहुंचीं बहनों ने विंडो के माध्यम से अपने बंदी भाइयों से मुलाकात की और भाई दूज का पर्व मनाया।जेल की दीवारों और विंडो के बीच दूरियां जरूर थीं, लेकिन भाई-बहन के स्नेह में कोई कमी नहीं दिखाई दी। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र और खुशहाल जीवन की कामना की। इस दौरान कई पल भावुक कर देने वाले रहे। मुलाकात के दौरान जेल प्रशासन द्वारा सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे।

शहपुरा, पनागर और सिहोरा में 'स्वामित्व योजना' की बेहतर प्रगति, कटंगी-मझौली में ढिलाई



जबलपुर,यश भारत । स्वामित्व योजना और सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की समीक्षा के लिए दो सप्ताह की अवधि के दौरान कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले भर में चल रहे रजिस्ट्रेशन, सत्यापन और आवेदन कार्यों की गहन समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान यह सामने आया कि शहपुरा, पनागर और सिहोरा तहसीलों में स्वामित्व योजना के अंतर्गत अपेक्षाकृत बेहतर और संतोषजनक कार्य हुआ है। इसके विपरीत, कटंगी और मझौली सहित कुछ अन्य क्षेत्रों में काम की रफ्तार काफी धीमी पाई गई। प्रतिदिन 4 हजार रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य तय होने के बावजूद किसी भी तहसील द्वारा शत-प्रतिशत लक्ष्य न प्राप्त कर पाने पर कलेक्टर ने कड़ा रुख अपनाया। पटवारियों की गैर-मौजूदगी और तहसीलदारों की लॉगिन आईडी पर सत्यापन कार्य लंबित रहने पर भी नाराजगी जताई गई।इसके अलावा, बैठक में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के वास्तविक व गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शिकायतों का समय पर संतोषजनक समाधान करें तथा लंबित मामलों की पूरी जानकारी के साथ आगामी बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

यादव समाज ने गौपूजन कर पारंपरिक खेलों का किया प्रदर्शन



जबलपुर। यशभारत। दीपावली के दूसरे दिन ं गोवर्धन पूजा के अवसर पर आदर्श नगर कटंगा में यादव समाज द्वारा धार्मिक एवं पारंपरिक उत्सव का आयोजन किया गया। 9 नवंबर को दोपहर 12 बजे आयोजित कार्यक्रम में समाज के लोगों ने विधि-विधान से गौमाता की पूजा-अर्चना की। इसके बाद सनातन परंपरा के अनुरूप लाठी और शैला सहित पारंपरिक खेलों का प्रदर्शन किया गया। आयोजन में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी सांस्कृतिक परंपराओं का परिचय दिया। इस अवसर पर भारतीय शैली कुश्ती महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अर्जुन यादव, किशोरी लोधी, राजेन्द्र यादव, खेमचंद धनगर, राजू यादव, प्रवीण धनगर, कृष्ण कुमार यादव, कैलाश यादव, अरुण चंद्रवंशी, अरुण यादव, राजेन्द्र यादव कजरवारा, संतोष यादव, राजकुमार यादव, मन्नू पटेल, नरेश यादव, घनश्याम यादव, गोलू यादव, राकेश यादव, जयवीर सिंह एवं देवेंद्र उपाध्याय सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। सभी ने पारंपरिक आयोजन में सहभागिता कर पर्व की खुशियां मनाई।

12 नवंबर को कलेक्ट्रेट में राजनीतिक दलों की बैठक, निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण-2027 पर होगी चर्चा

जबलपुर, यश भारत । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के आधार पर फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के प्रारूप प्रकाशन को लेकर 12 नवंबर को दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कक्ष क्रमांक-07 में राजनीतिक दलों की बैठक बुलाई गई है। जिला निर्वाचन कार्यालय, जबलपुर ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रमुखों व उनके अधिकृत प्रतिनिधियों से बैठक में निर्धारित समय पर उपस्थित रहने की अपील की है।

युवक-युवती परिचय सम्मेलन के लिए 21 नवंबर तक जमा होंगी प्रविष्टियां

जबलपुर, यशभारत। आदिनाथ समिति गोलबाजार द्वारा 12 एवं 13 दिसंबर को पिसनहारी की मढ़िया तीर्थ में अखिल भारतीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में शामिल होने के इच्छुक युवक-युवतियों के अभिभावक 21 नवंबर तक अपनी प्रविष्टियां जमा कर सकते हैं। प्रविष्टियां जॉर्ज टाउन स्कूल मार्केट स्थित समिति कार्यालय में स्वीकार की जाएंगी। समिति ने समाज के लोगों से निर्धारित समय-सीमा में प्रविष्टियां जमा करने की अपील की है।

पिछड़ा वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को विदेश में पढ़ाई का मौका, ऑनलाईन आवेदन शुरू

जबलपुर ।राज्य सरकार के पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा 'मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना' (वर्ष 2026-27) के लिए ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।सहायक संचालक आशीष दीक्षित के अनुसार, इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों को विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शिक्षा का अवसर प्रदान करना और आर्थिक बाधाओं को दूर करना है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कुल 50 सीटों पर अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।इच्छुक विद्यार्थी विभागीय पोर्टल (https // mpom.mp.gov.in) पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। पात्रता और नियमों की विस्तृत जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध है। चयन प्रक्रिया चरणों में होगी—पहले एक माह के आवेदनों को फ्रीज कर प्रथम चरण की जांच की जाएगी।

जरूरतमंद परिवारों के बीच श्रेष्ठ उपहार फाउंडेशन ने बांटी दीपावली की खुशियां



जबलपुर, यशभारत। दीपावली के पावन पर्व पर श्रेष्ठ उपहार फाउंडेशन ने सामाजिक सरोकारों का परिचय देते हुए जरूरतमंद परिवारों के बीच खुशियां बांटने की पहल की। संस्था की ओर से फुटपाथ पर दुकान लगाकर आजीविका चलाने वाले 100 से अधिक परिवारों को वस्त्र, मिठाई और पटाखों का वितरण किया गया। संस्था के सदस्यों ने इन परिवारों के बीच पहुंचकर पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को त्योहार की खुशियों में सहभागी बनाया। इस दौरान पुरुषों एवं बच्चों को टी-शर्ट, महिलाओं को साड़ी और सलवार-सूट के साथ मिठाई एवं पटाखे भेंट किए गए। कार्यक्रम में वितरित किए गए सूट नीरज जैन नरघईया, साड़ियां वंदना साड़ी नरघईया और मिठाई अनिरुद्ध जैन की ओर से उपलब्ध कराई गई। संस्था के अन्य सदस्यों ने भी इस सेवा कार्य में विशेष सहयोग दिया। संस्था की अध्यक्ष डॉ. ऋचा पैगवार ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य मेहनतकश और जरूरतमंद परिवारों के चेहरों पर मुस्कान लाना तथा उनके त्योहार को खुशियों से रोशन करना है। इस अवसर पर शेखर पैगवार, नारायण सेवानी, विपिन सेन, अमर श्रीवास, नैतिक सेन एवं मास्टर शेरित्व (शैरी) उपस्थित रहे। संस्था के पदाधिकारियों ने सभी शहरवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं भी दीं।

गोवर्धन पूजा में भगवान श्रीकृष्ण और पर्वतराज का किया पूजन



जबलपुर, यशभारत। दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता भारत सिंह यादव ने अमखेरा स्थित सुशीला मैरिज गार्डन में गोवर्धन पूजा का आयोजन किया। कार्यक्रम में स्वामी पगलानंद महाराज एवं चैतन्य नंद महाराज की उपस्थिति में भगवान श्रीकृष्ण और गोवर्धन पर्वत का विधि-विधान से पूजन किया गया। आयोजन में लोकसभा सांसद आशीष दुबे, पूर्व कैबिनेट मंत्री लखन घनघोरिया, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, जिला पंचायत उपाध्यक्ष विवेक पटेल, पार्षद महेश राजपूत, मनीष अग्रहरि, विमल राय एवं सुभाष तिवारी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक शामिल हुए। इसके अलावा दीपक शर्मा टिम्मी, शिवराम पटेल, अमित कुशवाहा, श्याम बागड़ी, लक्ष्मी नारायण शुक्ला, निशांत कनौजिया, श्रीमती प्रभा यादव, रजनी यादव, कविता यादव एवं वर्षा शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और शहरवासी उपस्थित रहे।

समवशरण महामंडलीय विधान का भूमिपूजन कल



जबलपुर,यशभारत। पीएनटी ग्राउंड, रानीताल चौक के समीप 12 नवंबर को प्रातः 7 बजे श्री 1008 समवशरण महामंडलीय विधान का भूमिपूजन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम मुनिश्री 108 प्रबुद्धसागर, निष्कंपसागर, निष्कामसागर एवं आर्यिका 105 गुरुमति माता और दृढ़मति माता के सानिध्य तथा वाणीभूषण विनय भैया के निर्देशन में संपन्न होगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर 10 नवंबर को बैठक आयोजित कर व्यवस्थाओं और कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की गई। आयोजन की तैयारियों को लेकर 10 नवंबर को मुनिश्री के ससंघ सानिध्य में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इसमें सुनील मंगलाहाट, पवन चौधरी, अतुल दानी, मनोज जैन, कल्लू पंचम, मनोज सेठ, अनिल जैन गुड्डा, सौरव जैन (नन्नू), अनिल बारदाना, मोनू एम्परेश, स्वर्णिम जैन, राजू सोधिया, तनु चौधरी, सुनील जैन (अल्ली), रोहित जैन (चावल वाले), सोनू वर्गी, विकास चौधरी, तनिष्क जैन, मंजेश जैन एवं जित्तू जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सीजीएचएस और सीएस (एमए) के तहत-कॉक्लियर इम्प्लांट और पुनर्वास के लिए संशोधित दरें और दिशानिर्देश जारी

जबलपुर, यशभारत। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके आश्रितों के लिए कॉक्लियर इम्प्लांट और इसके पुनर्वास से जुड़ी नई दरों और विस्तृत दिशा-निर्देशों की घोषणा कर दी है।

प्री-लिंगुअल बहरापन के लिए जीएसटी (GST) सहित अधिकतम पैकेज सीमा 7,00,000रु. निर्धारित की गई है। वहीं पोस्ट-लिंगुअल बहरापन के लिए जीएसटी (GST) सहित अधिकतम पैकेज सीमा 6,00,000 रुपए निर्धारित की गई है। इस पैकेज लागत में इम्प्लांट सिस्टम, सर्जरी, अस्पताल का खर्च, पहले साल के उपभोग्य वस्तुएं और सर्जरी के बाद की देखभाल, प्रोग्रामिंग तथा स्पीच थेरेपी का खर्च शामिल है।इसी प्रकार प्री-लिंगुअल बहरापन के लिए 9 महीने से 7 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए, जिन्हें गंभीर से गहरा द्विपक्षीय संवेदी तंत्रिका श्रवण हानि है। 3-6 महीने तक श्रवण यंत्र (hearing aids) का उपयोग करने के बाद भी कोई खास लाभ न मिलने पर इस पर विचार किया जाएगा। पोस्ट-लिंगुअल बहरापन के लिए सभी आयु वर्ग के ऐसे लोग जो इस प्रकार की गंभीर बहरेपन से पीड़ित हैं। आंतरिक इम्प्लांट और स्पीच प्रोसेसर आदि पर वारंटी की अवधि स्पष्ट रूप से उल्लेखित होनी चाहिए।टूट-फूट के कारण पहनने योग्य घटकों (wearable components) के नवीनीकरण या प्रतिस्थापन की अनुमति 3 वर्ष के बाद पैकेज लागत या वास्तविक खर्च के अधिकतम 50% तक (जो भी कम हो) दी जा सकती है। यह सर्जरी सरकारी अस्पतालों, एम्स (AIIMS), राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों (INIs), या सीजीएचएस/सीएस(एमए) से मान्यता प्राप्त अस्पतालों में ही कराई जा सकेगी, जहां उचित इम्प्लांट सुविधाएं और प्रशिक्षित स्पीच थेरेपिस्ट उपलब्ध हों।

सरकारी अधिकारियों के लिए लैपटॉप और टैबलेट खरीद के नए नियम जारी

जबलपुर , यशभारत। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग (Department of E&penditure) ने सरकारी अधिकारियों के लिए लैपटॉप, नोटबुक, टैबलेट और अन्य समान उपकरणों की खरीद के संबंध में संशोधित दिशा-निर्देश (Revised Guidelines) जारी किए हैं। 10 नवंबर 26 को जारी यह नया कार्यालय ज्ञापन 21 जुलाई 23 के पुराने आदेशों का स्थान लेगा। इन नए नियमों का उद्देश्य सरकारी कामकाज को सुगम बनाना और घरेलू स्तर पर निर्मित ('मेक इन इंडिया') उत्पादों को प्रोत्साहित करना है।सामान्य उपकरणों के लिए खरीद मूल्य सीमा 1,50,000 रुपये (+ टैक्स) निर्धारित की गई है। ऐसे उपकरण जिनमें 40% से अधिक 'मेक इन इंडिया' कंपोनेंट का उपयोग किया गया है, उनके लिए यह मूल्य सीमा बढ़ाकर 1,80,000 रुपये (+ टैक्स) कर दी गई है। इस कीमत में मानक सॉफ्टवेयर (जैसे ऑपरेटिंग सिस्टम, एंटीवायरस, एमएस ऑफिस आदि) की लागत भी शामिल है* पात्रता -पे-लेवल 8 (राजपत्रित) से पे-लेवल 11 के अधिकारी जो विभाग की स्वीकृत संख्या के 50% की सीमा में (सीनियारिटी से) आते हैं उन्हें ये उपकरण मिल सकेंगे। हालांकि, संबंधित मंत्रालय/विभाग के सचिव वित्तीय सलाहकार की सहमति से इस सीमा को 75% तक बढ़ा सकते हैं। वहीं पे-लेवल 12 और उससे ऊपर के समस्त अधिकारीयों के लिए ये उपकरण स्वीकृत किए जा सकेंगे।

मेक इन इंडिया उपकरणों को बढ़ावा

रखरखाव और सुरक्षा

खरीदे गए उपकरण 4 वर्षों की अवधि के लिए सरकार की संपत्ति रहेंगे। वारंटी अवधि समाप्त होने के बाद रखरखाव का खर्च संबंधित विभाग द्वारा उठाया जाएगा। हालांकि, डेटा सुरक्षा की व्यक्तिगत जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी की होगी। चार साल पूरे होने के बाद अधिकारी इस उपकरण को अपने पास रख सकते हैं, बशर्ते हैंडओवर करने से पहले डेटा पूरी तरह से सैनिटाइज कर दिया जाए।यह आदेश मंत्रियों और उनके निजी स्टाफ, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSUs), राज्य सरकारों, स्वायत्त निकायों तथा मंत्रालयों द्वारा नियुक्त सलाहकारों पर सीधे लागू नहीं होता है। हालांकि, ये निकाय अपने गवर्निंग बॉडी की मंजूरी से इन दिशा-निर्देशों को अपना सकते हैं।

आर्मी बेस वर्कशॉप में 10 साल से पदोन्नति से वंचित

कई वर्षों से नहीं हुई, डीपीसी, कर्मचारी सेवानिवृति की कगार पर

जबलपुर यश भारत। देश की रक्षा तैयारियों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली 506 आर्मी बेस वर्कशॉप, जबलपुर में कर्मचारियों की समस्याएं लगातार गंभीर होती जा रही हैं। एक ओर वर्कशॉप उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है, वहीं दूसरी ओर कर्मचारियों के पदोन्नति, कैरियर विकास और सेवा संबंधी मामले वर्षों से लंबित पड़े हैं। हालात यह हैं कि डीपीसी (विभागीय पदोन्नति समिति) का मामला पिछले एक दशक से लंबित है। इसके चलते कर्मचारियों को उनके पदोन्नति संबंधी अधिकारों से वंचित रहना पड़ रहा है।जिसको लेकर श्रम संगठन प्रभावी आंदोलन पर विचार कर रहे हैं।

कर्मचारियों का कहना है कि वर्कशॉप में पदोन्नति की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 55 आर्मरर और 38 फिटर कर्मचारियों के पदोन्नति संबंधी मामले लंबित हैं। इन कर्मचारियों ने वर्षों तक अपनी सेवाएं दी हैं और सेवा निवृत्ति के आखरी पड़ाव पर हैं।लेकिन पदोन्नति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ने से उनका करियर प्रभावित हो रहा है।उनका कहना है कि जब पदोन्नति के लिए निर्धारित प्रक्रिया मौजूद है, तो पिछले एक दशक से डीपीसी आयोजित कर लंबित प्रकरणों का निराकरण क्यों नहीं किया जा रहा।न ही प्रमोशन और कैडर रिव्यू से जुड़े मामलों का समाधान हो रहा है ?



स्थिति यह है कि जिस पद पर भर्ती होकर कर्मचारी अपनी सेवा शुरू करते हैं, उसी पद पर रहते हुए सेवानिवृत्त होने की नौबत आ रही है।

एक और गंभीर मामला सामने आया है। कुछ समय पूर्व एक मृत कर्मचारी से वसूली हेतु नोटिस भी जारी किया गया है। जिससे कर्मचारियों में नाराजगी है। अतः कानूनी सिद्धांतों के अनुरूप निष्पक्ष समीक्षा कर कर्मचारियों को न्याय दिया जाना चाहिए।

पटाखों के धुएं से बिगड़ी जबलपुर की आबोहवा, एक्यूआई 345 के पार

दिवाली से पहले 188 था वायु गुणवत्ता सूचकांक, आतिशबाजी के बाद बेहद खराब श्रेणी में पहुंची शहर की हवा

जबलपुर,यशभारत। दीपावली पर आतिशबाजी और पटाखों का शोर भले ही थम गया हो, लेकिन इसका असर अब शहर की आबोहवा में दिखाई देने लगा है। त्योहार के दौरान हुई आतिशबाजी के बाद हवा में प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ा है। हालात यह हैं कि दिवाली से पहले शहर के कई क्षेत्रों में 188 दर्ज किया गया एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) बढ़कर 345 तक पहुंच गया। वहीं, 9 नवंबर की शाम तक उपलब्ध एक अन्य रीडिंग में एक्यूआई 366 दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। प्रदूषण के इन आंकड़ों ने शहरवासियों की सेहत को लेकर चिंता बढ़ा दी है।



एक दिन में बिगड़े हवा के हालात

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 8 नवंबर को वायु गुणवत्ता सूचकांक का दैनिक औसत 188 दर्ज किया गया था। यह मध्यम श्रेणी में आता है। इसके बाद दीपावली के आसपास प्रदूषण का स्तर बढ़ता चला गया। 10 नवंबर को प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक 8 नवंबर की शाम 6 बजे से 9 नवंबर की शाम 6 बजे के बीच केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मरहटल मॉनिटरिंग स्टेशन पर एक्यूआई 345 दर्ज किया गया। वहीं, 9 नवंबर की शाम तक उपलब्ध एक अन्य रीडिंग में यह आंकड़ा 366 तक पहुंचने की जानकारी सामने आई। अलग-अलग समयावधि और रिपोर्टिंग के कारण आंकड़ों में अंतर हो सकता है, लेकिन दोनों ही रीडिंग शहर की बिगड़ती वायु गुणवत्ता की ओर इशारा कर रही हैं।

पटाखों का धुआं और धूल बढ़ा सकते हैं परेशानी

दीपावली के दौरान बड़ी मात्रा में पटाखे जलाए जाते हैं। इनसे निकलने वाला धुआं, बारीक धूल के कण और अन्य हानिकारक प्रदूषक वातावरण में फैल जाते हैं। नवंबर में ठंड का असर बढ़ने के साथ हवा में मौजूद प्रदूषक तत्वों का प्रभाव भी अधिक महसूस हो सकता है। ऐसे में आतिशबाजी के बाद शहर की हवा का बेहद खराब श्रेणी में पहुंचना चिंता का विषय है। इसका असर विशेष रूप से उन लोगों पर पड़ सकता है, जिन्हें पहले से सांस या हृदय संबंधी समस्याएं हैं।

बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी की जरूरत

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वर्गीकरण के अनुसार 301 से 400 के बीच एक्यूआई बेहद खराब श्रेणी में आता है। इस स्तर की प्रदूषित हवा में लंबे समय तक रहने से सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा, फेफड़ों तथा हृदय संबंधी बीमारियों से जूझ रहे लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। विशेषज्ञों की सामान्य सलाह के मुताबिक ऐसे हालात में सुबह और देर शाम खुले में लंबे समय तक टहलने या व्यायाम करने से बचना चाहिए। सांस लेने में परेशानी, खांसी या सीने में जकड़न महसूस होने पर चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है। शहर में प्रदूषण के बढ़ते आंकड़े यह संकेत दे रहे हैं कि त्योहार के बाद भी वायु गुणवत्ता पर निगरानी और सावधानी बनाए रखना जरूरी है।

भारतीय रेलवे की नई पहल

जल्द लॉन्च होगा 'रेल पार्सल एप

घर से घर तक', अब घर बैठे बुक कर सकेंगे पार्सल



जबलपुर , यशभारत। भारतीय रेलवे यात्रियों और व्यापारियों की सुविधा के लिए लगातार आधुनिकीकरण की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में रेलवे बोर्ड ने 'रेल पार्सल एप, घर से घर तक' नाम से एक नए मोबाइल और वेब-आधारित प्लेटफॉर्म की नीतिगत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इस सेवा के शुरू होने से ग्राहकों को पार्सल भेजने के लिए रेलवे परिसरों के चक्कर काटने और कागजी कार्रवाई की झंझट से मुक्ति मिलेगी। यह ऐप लॉजिस्टिक्स सर्विस प्रोवाइडर्स के माध्यम से ग्राहकों को घर बैठे सीमलेस (निर्बाध) और एण्ड-टू-एण्ड सेवा प्रदान करेगा। ग्राहक मोबाइल ऐप या वेबसाइट के जरिए आसानी से ऑनलाइन बुकिंग कर सकेंगे और डिजिटल भुगतान की सुविधा का लाभ उठा पाएंगे। इसमें ग्राहकों की सुविधा के लिए कई अन्य मूल्य वर्धित सेवाएं भी शामिल की गई हैं।रेलवे बोर्ड के आदेश के अनुसार, इस योजना को पहले चरण में देश के दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद, हैदराबाद, बैंगलोर और पुणे में लागू किया जाएगा। इसके बाद इसे पूरे देश में बड़े पैमाने पर विस्तारित किया जाएगा। सीआरआईएस द्वारा सभी आवश्यक परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे करने के बाद, जोनल रेलवे को इस नीति के लागू होने की आधिकारिक तिथि से अवगत कराया जाएगा। रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे और संबंधित विभागों को इसके सुचारू संचालन के लिए आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं।

ज्ञानरंजन की स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित होगा 'स्मृति ज्ञानरंजन'

जबलपुर, यशभारत। 'पहल' के संपादक और कथाकार ज्ञानरंजन के निधन के बाद भी उनकी वैचारिक विरासत और रचनात्मक सक्रियता को निरंतर बनाए रखने के उद्देश्य से पहल परिवार ने प्रतिवर्ष 21 नवंबर को 'स्मृति ज्ञानरंजन' कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस वर्ष यह कार्यक्रम ज्ञानरंजन की जन्म ति?थि? की पूर्व संध्या पर 20 नवंबर को जबलपुर के शहीद स्मारक में शाम 6 बजे आयोजित किया जाएगा।उन्होंने पहल के साथ-साथ 'पहल पुस्तकों' के प्रकाशन और 'पहल गोष्ठियों' के आयोजन ने प्रगतिशील एवं क्रांतिकारी चेतना के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।इन गोष्ठियों ने लेखक संगठनों की चुप्पी और साहित्यिक गतिविधियों में आई शिथिलता के बीच रचनात्मक बहसों को नई ऊर्जा दी।

आयुध कर्मियों के लिए नाईट ड्यूटी एलांउस सीमा में छूट

बकाया राशि से अतिरिक्त भुगतान के समायोजन का निर्देश

जबलपुर , यशभारत । रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले आयुध निर्माणी के कर्मचारियों के लिए रेलवे की तर्ज पर नाईट ड्यूटी अलाउंस की सीमा में छूट दिए जाने के संबंध में आधिकारिक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। रक्षा उत्पादन विभाग के आयुध निदेशालय (समन्वय) द्वारा इस संबंध में सभी प्रमुख महाप्रबंधकों कार्यकारी निदेशकों और यूनिट प्रमुखों को एक पत्र भेजा गया है। यह निर्णय आयुध निदेशालय (कोलकाता) में डीजीओ की अध्यक्षता में गत 9 अक्टूबर 26 को आयोजित जेसीएम (छ्ष्टरू) ढ्ढढ्ढ लेवल काउंसिल (12वीं टर्म) की छठी बैठक में उठाए गए मुद्दों के आधार पर लिया गया है। बैठक के दौरान कर्मचारियों के पक्ष से यह अनुरोध किया गया था कि हाल ही में ष्ठश्चश्व/ष्ठष्ठक्कद्वारा जारी नवीनतम निर्देशों के अनुसार, कर्मचारियों को पहले किए गए अतिरिक्त भुगतान को केस-दर-केस आधार पर बकाए से समायोजित किया जाए।



मामले पर विचार करने के बाद सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि सभी आयुध निर्माणी और डीपीएसयू प्रत्येक कर्मचारी के लिए 'ड्यू-ड्रॉन स्टेटमेंट' तैयार करें और बकाए राशि से अतिरिक्त भुगतान का समायोजन सुनिश्चित करें।

नई बस्ती दोहरे हत्याकांड के बाद परिवारों में पसरा सन्नाटा

आरोपियों को सामने देख छलका परिजनों का आक्रोश

जबलपुर, यशभारत। जिस दिवाली पर घर-आंगन दीपों की रोशनी से जगमगा रहे थे और परिवार खुशियां मना रहे थे, उसी रात घमापुर की नई बस्ती में दो परिवारों की जिंदगी में ऐसा अंधेरा छाया, जिसकी भरपाई शायद कभी नहीं हो सकेगी। पुरानी रंजिश ने दो युवकों की जान ले ली और उनके परिवारों की खुशियां हमेशा के लिए छीन लीं। कार्तिक चौधरी और कुणाल पासी की मौत के बाद दोनों परिवारों में मातम पसरा हुआ है। जिन घरों में त्योहार की तैयारियां थीं, वहां अब अपनों को खोने का दर्द और आंसुओं का सैलाब है।



इस दोहरे हत्याकांड ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। परिजनों के लिए यह यकीन करना भी मुश्किल है कि जिन युवकों को कुछ समय पहले तक अपने बीच देखा था, वे अब कभी लौटकर नहीं आएंगे। दिवाली की रात हुई चाकूबाजी की घटना ने त्योहार की खुशियों को चीख-पुकार और मातम में बदल दिया।

आरोपियों को सामने देख फूट पड़ा गुस्सा

पुलिस द्वारा सात आरोपियों को गिरफ्तार कर घटनास्थल पर सीन रिक्रिएशन कराया गया तो मृतकों के परिजनों का दर्द और आक्रोश सामने आ गया। आरोपियों को अपने सामने देखकर परिवार की महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। माहौल तनावपूर्ण हो गया और परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने स्थिति को संभाला।

सात गिरफ्तार, तीन अब भी फरार

पुलिस ने वारदात के 24 घंटे के भीतर मुख्य आरोपी प्रिंस चौधरी समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया गया है। वहीं हर्षित, कन्हैया सहित तीन आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है। परिजनों को अब फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और सभी दोषियों को कड़ी सजा मिलने का इंतजार है

पुरानी रंजिश में घर में घुसकर हमला, चाकूबाजी में कई घायल

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात



जबलपुर,यशभारत। गोहलपुर थाना क्षेत्र के बधैया मोहल्ला में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि एक पक्ष के लोगों ने घर में घुसकर परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस दौरान बीच-बचाव करने आई मासूम बच्ची सहित कई लोग घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। पीड़ित मुकेश चौधरी के अनुसार, मंगलवार को हमलावरों ने पहले उनके घर के पास उनकी पत्नी के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट की थी। इसके बाद परिवार के सदस्य विक्टोरिया अस्पताल से लौट रहे थे, तभी आरोपियों ने घात लगाकर उन पर हमला कर दिया। हमले के दौरान परिवार के लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। मुकेश का आरोप है कि विवाद के दौरान बीच-बचाव करने पहुंची उनकी छोटी बच्ची को भी लोहे के कड़े से मारा गया, जिससे उसकी नाक से खून बहने लगा। वहीं, मुकेश और उनके बड़े भाई लक्ष्मण पर धारदार चाकू से कई वार किए गए। अचानक हुए हमले में परिवार के अन्य सदस्य भी चोटिल हुए हैं। सभी घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है।

सीसीटीवी में कैद हुई मारपीट और चाकूबाजी

घटना के दौरान हुई मारपीट पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में कथित तौर पर कुछ लोग हाथों में हथियार लेकर दिखाई दे रहे हैं। पीड़ित परिवार ने पुलिस को फुटेज उपलब्ध कराकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

धमकियां देने का भी आरोप

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमले में शामिल लोग आपराधिक गतिविधियों में पहले भी संलिप्त रहे हैं। घटना के बाद भी आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और परिवार को लगातार धमकियां दे रहे हैं। पीड़ितों ने पुलिस से सुरक्षा देने और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज और शिकायत के आधार पर घटना में शामिल लोगों की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दत्तोपंत ठेंगड़ी की जन्मजयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित



जबलपुर, यश भारत। भारतीय मजदूर संघ एवं स्वदेशी जागरण मंच के संस्थापक, दत्तोपंत ठेंगड़ी की 106वीं जन्मजयंती के अवसर पर जबलपुर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें कोटि-कोटि नमन किया।

कार्यक्रम में जबलपुर स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारी श्रीमति प्रियंका गुर्जर पटेल एवं भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ से संबद्ध कामगार यूनियन के पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।इस अवसर पर जबलपुर कैंट विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी, वक्तव्य के पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र तिवारी, यूनियन के महामंत्री प्रेमलाल सेन, छ्ष्टरू चतुर्थ सदस्य अजय कुमार दीक्षित सहित विभिन्न समितियों के सदस्य, क्षेत्रीय पार्षदगण एवं सम्माननीय कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में दत्तोपंत ठेंगड़ी के राष्ट्रवादी विचारों, स्वदेशी चिंतन, श्रमिक हितों के प्रति समर्पण एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को स्मरण किया गया। वक्ताओं ने कहा कि ठेंगड़ी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रहित, श्रमिक कल्याण, स्वदेशी विचारधारा एवं सामाजिक समरसता के प्रति समर्पित रहा। उनके विचार आज भी समाज और श्रमिक जगत को नई दिशा एवं प्रेरणा प्रदान करते हैं।

न्यायालय तहसीलदार तहसील आधारताल, जबलपुर
रा.प.क्र./ -2306/6/2026-27
जबलपुर दिनांक 22/9/26

आम इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अरविंद कुमार शुक्ला पिता स्व एम.सी. शुक्ला निवासी मंजू पथ दीक्षितपुरा जबलपुर के द्वारा मौजा.... नजूल ब्लाक नंबर 8 प्लाट नंबर 35/1,35/3 स्थित भूमि खसरा नंबर .... में से रकवा 1234+622 वर्गफुट भूमि पर दिनांक श्यामा कुमारी 9/3/25, शारदा चरण 16/7/09, अरूणा शुक्ला 11/1/2010 की मृत्यु को हो जाने के कारण वर्तमान राजस्व अभिलेखा में अरविंद शुक्ला, अनुराग शुक्ला, अर्चना शुक्ला, चंदेश शुक्ला का नाम दर्ज किये जाने हेतु विक्रय पत्र/फौती/ वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र सहित अन्य दस्तावेज सलग्न कर आवेदन प्रस्तुत किया गया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 20/11/26 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकती है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात दावा/ आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

जारी दिनांक -22/11/2026
पेशी दिनांक -07/11/2026

तहसीलदार
अधारताल, जबलपुर

छठ महापर्वः तिलवारा घाट पर दुरुस्त होंगी व्यवस्थाएं



जबलपुर, यश भारत। लोक आस्था के महापर्व 'छठ' को लेकर संस्कारधानी जबलपुर के तिलवारा घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा की व्यापक तैयारियाँ शुरू हो चुकी हैं। इस संबंध में यूपी-बिहार एकता मंच के प्रतिनिधिमंडल ने महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' से मुलाकात की।

महामंत्री रघु तिवारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस वर्ष एक अनूठी पहल के तहत शहर के सभी प्रमुख चौराहों के ट्रैफिक वॉइस सिग्नलों से छठ महापर्व की शुभकामनाओं का संदेश प्रसारित किया जाएगा, जिसे महापौर ने सहर्ष स्वीकृति दी है।श्रद्धालुओं और महिलाओं की सुविधा के लिए तिलवारा घाट पर हाई-मास्ट लाइटें, पहुँच मार्गों की विशेष सफाई, चेंजिंग रूम और सजावट की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही सुरक्षा के मद्देनजर होमगार्ड, जल पुलिस और गोताखोरों की तैनाती रहेगी। महापौर ने नगर निगम की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है, जिस पर समिति ने उनका आभार जताया।



चिंतन-मनन

दीपोत्सव की रोशनी के बीच मौत का अंधेरा

आखिर कब जागेगा हमारा अग्निशमन तंत्र?

दीपावली को हम रोशनी, खुशियों और उत्साह का पर्व कहते हैं। यह पर्व अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर उम्मीद और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। लेकिन इस बार दीपावली के उल्लास के बीच देश के अलग-अलग हिस्सों से आई आगजनी की खबरों ने इस पर्व की खुशियों को मातम में बदल दिया। कहीं घरों में आग ने परिवार उजाड़ दिए तो कहीं पटाखों की चिंगारी ने जिंदगी के दीप बुझा दिए। सवाल यह है कि क्या हर साल होने वाले ऐसे हादसों के बाद भी हमारी व्यवस्था की नींद नहीं टूटेगी? महाराष्ट्र के धाराशिव में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत, मध्यप्रदेश के कटनी जिले के बरही में छह जिंदगियों का असमय खत्म हो जाना, सिवनी में छह लोगों की दर्दनाक मौत, उज्जैन में बुजुर्ग की जान जाना, दिल्ली के नरेला में पटाखे से एक बच्चे की मौत, राजस्थान के पाली में दो लोगों की मृत्यु और ओडिशा के कटक में सात साल के मासूम की मौत। ये महज आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन परिवारों की उजड़ी हुई दुनिया है, जिनके घरों में दीपावली के दिन खुशियों के दीप जलने थे। इन हादसों ने यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर उत्सव के बीच सुरक्षा का सवाल हमारी प्राथमिकता क्यों नहीं बन पाता?सबसे अधिक चिंता मध्यप्रदेश के कटनी और सिवनी में हुए अग्निकांडों को लेकर है। बरही में तीन मंजिला इमारत में लगी आग ने एक ही परिवार के छह सदस्यों को मौत की नींद सुला दिया। घर में फंसे लोगों को समय पर सुरक्षित बाहर नहीं निकाला जा सका। सिवनी में भी इसी तरह एक मकान में आग लगने से छह लोगों की जान चली गई। इन घटनाओं ने प्रदेश की अग्निशमन व्यवस्था, आपातकालीन प्रतिक्रिया और प्रशासनिक तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बरही की घटना ने तो व्यवस्था की संवेदनहीनता को भी उजागर किया। जब लोग अपनों की जिंदगी बचाने के लिए मदद मांग रहे थे, तब जिम्मेदार अधिकारियों के फोन तक नहीं उठने की शिकायतें सामने आईं। घटना के कई घंटे बाद वरिष्ठ अधिकारियों का मौके पर पहुंचना और फिर व्यवस्थागत कमियों को स्वीकार करना, इस बात का संकेत है कि आपदा से निपटने की तैयारी कागजों और दावों से आगे नहीं बढ़ पाई है। आखिर संकट के समय आम आदमी किसके भरोसे रहे। मुंबई में दीपावली के दौरान दमकल विभाग को 142 फायर कॉल मिलना और इनमें 137 का पटाखों से संबंधित होना भी खतरे की गंभीरता बताता है। यह स्पष्ट करता है कि दीपावली के दौरान आगजनी की आशंका सामान्य दिनों की तुलना में कितनी बढ़ जाती है। इसके बावजूद कई शहरों में दमकल वाहनों की उपलब्धता, प्रशिक्षित कर्मचारियों, आधुनिक उपकरणों और त्वरित पहुंच की व्यवस्था पर्याप्त नहीं दिखाई देती। यह भी समझना होगा कि आग लगने की घटनाओं के पीछे केवल पटाखे या दीपक ही जिम्मेदार नहीं होते। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, इमारतों में सुरक्षा इंतजामों का अभाव, बिजली की खराब वायरिंग, आपातकालीन निकास का बंद होना और दमकल वाहनों का घटनास्थल तक नहीं पहुंच पाना भी हादसों को भयावह बना देता है। कई बार आग छोटी होती है, लेकिन बचाव व्यवस्था की कमजोरी उसे बड़ी त्रासदी में बदल देती है। अब वक्त केवल शोक व्यक्त करने और मुआवजे की घोषणा करने का नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने का है। प्रत्येक जिले में दमकल व्यवस्था का ऑडिट होना चाहिए। पर्याप्त संख्या में फायर ब्रिगेड वाहन, प्रशिक्षित दमकल कर्मी, आधुनिक उपकरण और चौबीस घंटे सक्रिय आपातकालीन हेल्पलाइन सुनिश्चित की जानी चाहिए। संकरी बस्तियों में छोटे दमकल वाहनों और त्वरित बचाव दल की व्यवस्था होनी चाहिए। बहुमंजिला इमारतों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और आवासीय परिसरों में अग्नि सुरक्षा मानकों का नियमित निरीक्षण अनिवार्य किया जाना चाहिए। इसके साथ ही नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। दीपक और पटाखों का इस्तेमाल सावधानी से हो, ज्वलनशील सामग्री सुरक्षित स्थानों पर रखी जाए और घरों में आग से बचाव के प्राथमिक उपकरण उपलब्ध हों। बच्चों को पटाखों से होने वाले खतरों के प्रति जागरूक करना भी जरूरी है। दीपावली का वास्तविक संदेश केवल घरों को रोशन करना नहीं, बल्कि जीवन में उजाला लाना है। लेकिन जब एक ही रात में इतने परिवारों के चिराग बुझ जाएं तो उत्सव की चमक पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सरकार और प्रशासन को समझना होगा कि आपदा के बाद घटनास्थल पर पहुंचना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि आपदा आने से पहले ऐसी व्यवस्था तैयार करना असली जिम्मेदारी है। हर अग्निकांड के बाद जांच, मुआवजा और आश्वासन की औपचारिकता निभाने से अब काम नहीं चलेगा। जरूरत इस बात की है कि हादसों से सबक लेकर व्यवस्था को बदला जाए और लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई हो। आखिर कब तक आग में जलती रहेंगी जिंदगियां और कब तक हादसों के बाद ही जागेगा प्रशासन? दीपावली के दीप फिर जलेंगे, उत्सव फिर आएंगे, लेकिन जिन घरों के चिराग बुझ गए, वहां खुशियां लौटाना किसी के बस में नहीं। अब समय है कि सरकार और प्रशासन यह सुनिश्चित करें कि भविष्य में किसी परिवार की दीपावली इस तरह मातम में न बदले।

कड़वे वचन



पहाड़ों पर जल की एक बूंद भी नहीं दिखाई देती फिर भी सारी नदियां पहाड़ों से ही निकलती हैं ।वेसे ही दिगम्बर मुनियों के पास परिग्रह के नाम पर कुछ नहीं होता पर वे किसी शहंशाह से कम नहीं होते और उधर समुद्र जल से लबालब भरा होता है किंतु समुद्र से कोई नदी नहीं निकलती । अमीरों के धर धन के भंडार भरे होते हैं पर उनके पास मन की शांति नहीं होती ।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-9 नवम्बर, 2026
दिन-सोमवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष
धार्मिक स्थल पर समय व्यतीत करने से सुकून मिलेगा। कोई भूमि संबंधी खरीद-फरोख्त का कार्य हो सकता है।

वृष
घर में किसी संबंधी के आगमन से आपके महत्वपूर्ण कार्य रुक सकते हैं। धैर्य से कार्य करें

मिथुन
रुपए-पैसे संबंधी लेनदेन को लेकर किसी से वाद-विवाद होने की आशंका है

कर्क
व्यवसाय में किसी नए कार्य की शुरुआत हो सकती है दिन खुशनुमा होगा

सिंह
साझेदारी संबंधी व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। नौकरी पेशा लोगों को कोई अथॉरिटी मिल सकती है।

कन्या
घर के वातावरण को सुखी बनाए रखने की कोशिश करें खांसी, जुकाम आदि से बचे

तुला
आयुर्वेदिक चीजों का इस्तेमाल करें। स्वास्थ्य के लिए ठीक रहेगा उत्तम दिनचर्या रखें।

वृश्चिक
सकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों से मेलजोल बढ़ेगा जो आपके लिए फायदेमंद ही साबित होंगे।

धनु
दिन उत्साह भर रहेगा आपकी योजना से सभी कार्य सुचारू रूप से होते जाएंगे

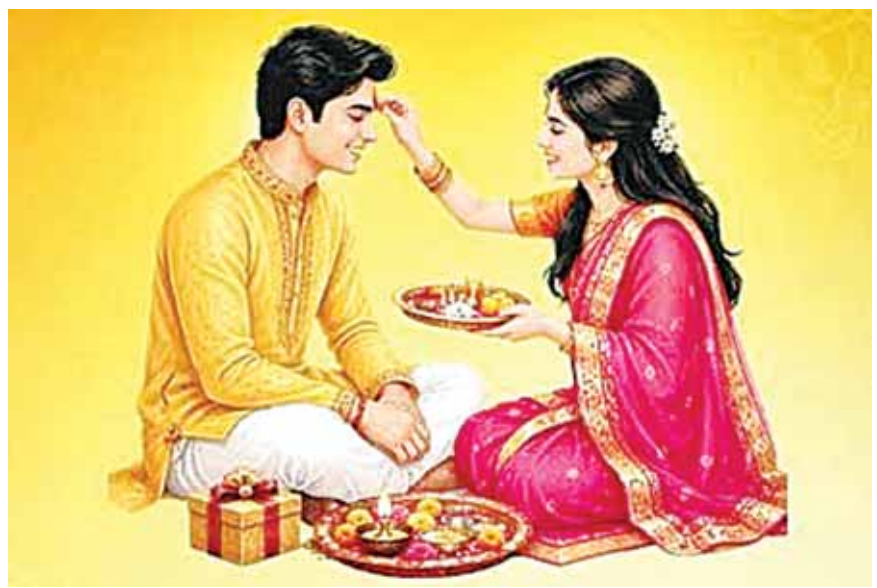
मकर
अपनी महत्वपूर्ण बात सार्वजनिक न करें। अजनबियों से सावधान रहे

कुंभ
बातचीत करते समय अभद्र भाषा का प्रयोग न करें। इससे संबंध खराब हो सकते हैं।

मीन
व्यवसायिक गतिविधियां मध्यम रहेंगी। ये समय धैर्य और शांति से व्यतीत करने का है।

भैया दूजः रिश्तों की मिठास से संस्कारों के संरक्षण तक

(भैया दूज (11 नवम्बर 2026) पर विशेष)



भारतीय संस्कृति में पर्व केवल कैलेंडर की तारीखें नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों को पुनर्जीवित करने के अवसर हैं। हर त्योहार के पीछे कोई न कोई सामाजिक, पारिवारिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदेश छिपा है। दीपावली के पंचपर्वों की श्रृंखला में आने वाला भैया दूज भी ऐसा ही आत्मीय पर्व है, जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को स्नेह, विश्वास, सुरक्षा और कर्तव्य की डोर से बांधता है। यह पर्व मानो रिश्तों की सूखी धरती पर संवेदनाओं की फुहार है, जो मनुष्य को याद दिलाता है कि जीवन की सबसे बड़ी पूंजी धन नहीं, बल्कि अपनेपन का भाव है। भैया दूज कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाया जाता है। बहन भाई के मस्तक पर तिलक लगाती है, आरती करती है, उसके सुख, स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगल की कामना करती है तथा भाई अपनी बहन के प्रति स्नेह और संरक्षण का संकल्प व्यक्त करता है। देखने में यह परंपरा जितनी सरल है, उसका भावार्थ उतना ही व्यापक है। यह केवल एक भाई और एक बहन का रिश्ता नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में परस्पर सम्मान, सहयोग, करुणा और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने का सांस्कृतिक विधान है।

पौराणिक कथा में यमराज और यमुना का प्रसंग इस पर्व की आत्मा को उजागर करता है। यमुना ने अपने भाई यमराज को प्रेमपूर्वक अपने घर आमंत्रित किया। यमराज ने बहन के स्नेह को स्वीकार किया और उसके आतिथ्य से प्रसन्न होकर वरदान दिया। तभी से यह दिन यम द्वितीया के रूप में भी प्रतिष्ठित हुआ। कथा का वास्तविक संदेश चमत्कार में नहीं, रिश्ते निभाने की संवेदना में है। बहन का प्रेम और भाई का उत्तरदायित्व मिलकर उस विश्वास को जन्म देते हैं, जिसमें जीवन की कठिनाइयों के सामने मनुष्य अकेला नहीं पड़ता। हमारे पूर्वजों ने रिश्तों को केवल रक्त संबंधों तक सीमित नहीं रखा था। उन्होंने उनमें कर्तव्य और मर्यादा का भाव जोड़ा। इसीलिए भैया दूज हमें यह सिखाता है कि बहन के प्रति भाई का दायित्व केवल उपहार देना नहीं, बल्कि उसके सम्मान, सुरक्षा और स्वाभिमान के प्रति सजग रहना है। इसी तरह बहन का स्नेह केवल तिलक तक सीमित नहीं, बल्कि भाई के जीवन में सद्भाव, संयम और सदाचार की कामना से जुड़ा है।

आज के बदलते सामाजिक परिवेश में इस संदेश की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। परिवार छोटे हो रहे हैं, जीवन की गति तेज हो रही है और डिजिटल दुनिया ने संवाद के अनेक रास्ते तो खोले हैं, लेकिन दिलों के बीच की दूरी कई बार बढ़ा दी है। रिश्ते कभी-कभी संदेशों और इमोजी तक सिमट जाते हैं। ऐसे समय में भैया दूज हमें रिश्तों को औपचारिकता नहीं, आत्मीयता से जीने की सीख देता है। दुर्भाग्य से पर्वों के साथ प्रदर्शन और बाजारवाद का प्रभाव भी बढ़ा है। महंगे उपहार, दिखावटी आयोजन और सामाजिक प्रतिस्पर्धा ने कई बार त्योहार की आत्मा को पीछे धकेल दिया है। चकमक-दमक से दीप जल सकता है, लेकिन रिश्तों में उजाला प्रेम से ही आता है।भैया दूज का अर्थ जेब की क्षमता नहीं, हृदय की समृद्धि है। बहन को कितना महंगा उपहार मिला, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि भाई ने उसकी बात कितनी सुनी, उसके सम्मान के लिए कितना खड़ा रहा और कठिन समय में उसका हाथ कितनी मजबूती से थामा।

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में यह पर्व अलग-अलग लोकपरंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इसे भाई दूज, कहीं भाई बीज और कहीं यम द्वितीया कहा जाता है। महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार सहित अनेक क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट रस्में हैं। इन विविधताओं में भारतीय संस्कृति की खूबसूरती दिखाई देती है। चकोस-कोस पर पानी बदले, चार कोस पर बानीज वाली इस भूमि में परंपराएं भले बदल जाएं, लेकिन उनके मूल में छिपा प्रेम और आत्मीयता का भाव एक ही रहता है। भैया दूज का एक और व्यापक संदेश है-स्त्री के सम्मान का। यदि भाई बहन की रक्षा का संकल्प लेता है तो यह भावना समाज की प्रत्येक बेटी और प्रत्येक महिला के सम्मान तक विस्तार पाती है। बहन के प्रति सम्मान का अर्थ तभी सार्थक है, जब वही दृष्टि हम हर स्त्री के प्रति रखें। घर की बहन सुरक्षित हो और समाज की बेटी असुरक्षित-यह विरोधाभास हमारी संस्कृति की आत्मा के अनुकूल नहीं हो सकता।

आज जब भारत विकसित भारत और विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। सभ्यता की ऊंचाई इमारतों से नहीं, मनुष्यता की ऊंचाई से मापी जाती है। यदि परिवारों में संस्कार, समाज में संवेदना और जीवन में नैतिकता मजबूत होगी, तभी विकास स्थायी और सार्थक बनेगा। भैया दूज जैसे पर्व इसी सांस्कृतिक पूंजी को सुरक्षित रखने का माध्यम हैं। इस पर्व का संदेश सीमाओं पर देश की रक्षा करने वाले सैनिक भाइयों तक भी पहुंचना चाहिए। कितनी ही बहनें ऐसी हैं जिनके भाई त्योहार के दिन भी मातृभूमि की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। उनके लिए बहन की प्रार्थना और देशवासियों का सम्मान ही सबसे बड़ा तिलक है। वास्तव में भैया दूज का प्रेम तभी व्यापक होगा, जब वह अपने भाई से आगे बढ़कर हर उस व्यक्ति के प्रति संवेदना बने जो परिवार, समाज और राष्ट्र की रक्षा में अपना जीवन समर्पित कर रहा है।

भारतीय संस्कृति ने नारी को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं माना। हमारे यहां चयत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः ज्ञ की भावना रही है। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने ज्ञान की परंपरा में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई। रानी लक्ष्मीबाई ने रणभूमि में अद्भुत शौर्य का परिचय दिया। अहिल्याबाई होल्कर ने शासन और लोककल्याण का आदर्श स्थापित किया। सावित्रीबाई फुले ने स्त्री-शिक्षा की मशाल जलाई। आधुनिक भारत में कल्पना चावला से लेकर अनेक महिला वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष यात्रियों तक ने यह सिद्ध किया कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। इसलिए बहन-भाई से जुड़ा भैया दूज पर्व को अतीत की स्मृति और वर्तमान की चेतना के बीच एक सेतु बनाना होगा। हमारी संस्कृति का संरक्षण तभी सार्थक है जब वह जीवन को आगे बढ़ाए, उसे पीछे न खींचे। परंपरा वह नहीं जो केवल दोहराई जाए, परंपरा वह है जो समय के साथ नए अर्थ पैदा करे। भैया दूज का आध्यात्मिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। संसार में सबसे बड़ी असुरक्षा बाहरी नहीं, भीतर की है। भय, क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष मनुष्य की आत्मिक शांति को कमजोर करते हैं। जैन दर्शन की दृष्टि से देखें तो वास्तविक सुरक्षा बाहरी कवच से नहीं, आत्मसंयम और आत्मजागरण से होती है। जब मनुष्य अपने भीतर के विकारों से स्वयं की रक्षा करना सीख जाता है, तभी वह दूसरों के लिए भी सुरक्षा और शांति का माध्यम बनता है। इस दृष्टि से भैया दूज का ऐतिहासिक पर्व भाई-बहन के पवित्र एवं पावन रिश्ते को एक नया विश्वास एवं सौहार्द का शिखर देने का पर्व है।

भैया दूज हमें अंततः यही सिखाता है कि रिश्ते मांगने से नहीं, निभाने से मजबूत होते हैं। प्रेम बांटने से घटता नहीं, बचाता है, विश्वास देने से टूटता नहीं, गहरा होता है। इसलिए इस बार भैया दूज पर केवल तिलक और मिठाई की रस्म पूरी न करें, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, सहयोग और संवेदना का संकल्प लें। जब रिश्तों में स्वार्थ की जगह समर्पण, औपचारिकता की जगह आत्मीयता और प्रदर्शन की जगह संस्कार होंगे, तभी भैया दूज वास्तव में सार्थक होगा। दीपावली के दीपों के बीच यह पर्व हमें यही संदेश देता है-घर का उजाला बिजली से नहीं, रिश्तों की गर्माहट से होता है और जिस समाज के रिश्ते जीवंत हों, उसकी संस्कृति कभी अंधकार में नहीं जा सकती।

(लेखक - ललित गर्ग)

नागरिक की स्वतंत्रता पर पहरा अब पुलिस की मनमानी नहीं चलेगी

सुप्रीम कोर्ट ने दिया अहम फैसला

कानून का शासन किसी भी लोकतांत्रिक देश की सबसे बड़ी ताकत होता है। इसकी सार्थकता तभी है जब कानून बनाने वाले ही नहीं, बल्कि कानून लागू करने वाली संस्थाएं भी उसके दायरे में रहकर काम करें। किसी व्यक्ति पर संदेह होना, उसके विरुद्ध शिकायत मिलना अथवा किसी अपराध में संलिप्तता की आशंका होना पुलिस को यह अधिकार नहीं देता कि वह अपनी इच्छा से उसकी स्वतंत्रता छीन ले। अपराध की जांच करना पुलिस का कर्तव्य है, लेकिन जांच की आड़ में नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करना किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसी महत्वपूर्ण सिद्धांत को सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले के माध्यम से और स्पष्ट कर दिया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने व्यवस्था दी है कि किसी व्यक्ति को वास्तविक रूप से हिरासत में लेने के 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना अनिवार्य है। इस अवधि की गणना पुलिस द्वारा गिरफ्तारी की औपचारिक कार्रवाई पूरी करने के समय से नहीं, बल्कि व्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित किए जाने के वास्तविक समय से होगी। अर्थात किसी व्यक्ति को पूछताछ के नाम पर थाने में रोककर बाद में गिरफ्तारी दिखाने की प्रक्रिया को संवैधानिक सुरक्षा से बचने का रास्ता नहीं बनाया जा सकता। निर्धारित समय में मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं करने पर हिरासत अवैध होगी और संबंधित व्यक्ति की रिहाई आवश्यक होगी। इस निर्णय का सबसे बड़ा महत्व यह है कि न्यायालय ने नागरिक स्वतंत्रता को केवल कागजी अधिकार मानने के बजाय उसकी व्यावहारिक सुरक्षा पर जोर दिया है। संविधान का अनुच्छेद 22(2) स्पष्ट करता है कि गिरफ्तार व्यक्ति को यात्रा के आवश्यक समय को छोड़कर 24 घंटे के भीतर निकटतम मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत करना होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि हिरासत और औपचारिक गिरफ्तारी के बीच अंतर बताकर इस संवैधानिक प्रावधान को निष्प्रभावी नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति अतुल एस. चंदुरकर की पीठ का यह दृष्टिकोण पुलिस व्यवस्था में जवाबदेही बढ़ाने वाला है।

भारतीय समाज में लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि पुलिस के सामने आम नागरिक की आवाज कमजोर पड़ जाती है। किसी व्यक्ति को संदेह के आधार पर थाने बुलाया गया तो परिवार के सदस्य भी यह पूछने से डरते थे कि उसे किस कारण रोका गया है और कब छोड़ा जाएगा। कई बार पूछताछ की प्रक्रिया लंबी खिंच जाती थी और औपचारिक गिरफ्तारी बाद में दर्ज की जाती थी। ऐसी परिस्थितियों में व्यक्ति और उसके परिवार को मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ता था। कानून की जानकारी का अभाव भी इस समस्या को बढ़ाता था। अनेक लोग पुलिस की कार्रवाई को ही अंतिम मानकर अपने अधिकारों के लिए आवाज नहीं उठा पाते थे।

लेकिन बदलते समय के साथ नागरिकों की सोच और जागरूकता में भी बदलाव आया है। आज शिक्षा, संचार माध्यमों और कानूनी जानकारी की उपलब्धता ने आम व्यक्ति को अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाया है। अब नागरिक यह जानना चाहता है कि पुलिस किस कानूनी आधार पर उसे रोक रही है, हिरासत का समय कब से माना जाएगा और उसे न्यायालय के सामने कब प्रस्तुत किया जाएगा। यह जागरूकता किसी सरकारी संस्था के प्रति विरोध नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जवाबदेही की मांग है। पुलिस अधिकारी को भी यह समझना होगा कि वर्दी का सम्मान तभी बढ़ता है जब उसका इस्तेमाल कानून और जनसेवा के अनुरूप हो।

सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला पुलिस और जांच एजेंसियों के काम में अनुशासन लाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। जांच की आवश्यकता और नागरिक की स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखना न्याय व्यवस्था की जिम्मेदारी है। अपराध की गंभीरता चाहे कितनी भी हो, जांच एजेंसियों को निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन करना ही होगा। किसी व्यक्ति को केवल इसलिए अनिश्चित समय तक हिरासत में नहीं रखा जा सकता कि उससे पूछताछ की जानी है। यदि आगे की जांच के लिए हिरासत आवश्यक है तो संबंधित एजेंसी को निर्धारित समय में मजिस्ट्रेट के सामने अपना पक्ष रखना होगा। न्यायिक अधिकारी तथ्यों और कानून के आधार पर निर्णय करेंगे।

इस व्यवस्था में मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। अब न्यायिक अधिकारी को यह देखना होगा कि व्यक्ति को वास्तव में कब हिरासत में लिया गया था और उसे न्यायालय में प्रस्तुत करने में संवैधानिक समय सीमा का पालन हुआ या नहीं। केवल पुलिस द्वारा दर्ज की गई गिरफ्तारी की तारीख और समय को अंतिम आधार मान लेना पर्याप्त नहीं होगा। हिरासत की वास्तविक परिस्थितियों पर भी ध्यान देना आवश्यक है। इससे न्यायिक प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी और किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता को अनावश्यक रूप से सीमित करने की संभावना कम होगी।

यह समझना भी जरूरी है कि इस फैसले का अर्थ अपराधियों को संरक्षण देना नहीं है। कानून के विरुद्ध काम करने वाले व्यक्ति के खिलाफ पुलिस को कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है। समाज की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का महत्वपूर्ण दायित्व है। लेकिन लोकतंत्र में पुलिस की शक्ति असीमित नहीं हो सकती। अधिकारों के साथ जिम्मेदारियां भी जुड़ी होती हैं। जिस प्रकार नागरिक से कानून का पालन अपेक्षित है, उसी प्रकार पुलिस और प्रशासन से भी कानून के प्रत्येक प्रावधान का पालन अपेक्षित है। न्याय का सिद्धांत यही है कि दोषी को सजा मिले और निर्दोष के अधिकार सुरक्षित रहें।

आज आवश्यकता है कि नागरिक अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और पुलिस प्रशासन भी इस निर्णय की भावना को अपनी कार्यशैली में अपनाए। किसी व्यक्ति को हिरासत में लेने की स्थिति में उसके परिजनों को नियमानुसार जानकारी मिले, हिरासत का समय स्पष्ट रहे और निर्धारित अवधि में न्यायिक प्रक्रिया पूरी हो। वकीलों और कानूनी सहायता से जुड़े लोगों की भी जिम्मेदारी है कि वे नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करें।

सर्वोच्च न्यायालय का यह संदेश स्पष्ट है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। पुलिस की शक्ति कानून से मिलती है और उसी कानून की मर्यादा में उसका उपयोग होना चाहिए। नागरिक की स्वतंत्रता किसी अधिकारी की इच्छा पर निर्भर नहीं हो सकती। 24 घंटे की संवैधानिक सीमा का पालन केवल एक कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि लोकतंत्र में व्यक्ति के सम्मान, सुरक्षा और न्याय का आधार है। जागरूक नागरिक और जवाबदेह प्रशासन ही मजबूत लोकतंत्र की पहचान हैं।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

जीवन में क्यों जरूरी है विचारशील होना

किसी चीज के बारे में सोचने या समझने की कोशिश में दिमाग में बनने वाली अवधारणा को विचार कह सकते हैं। यह मन के भीतर होने वाली एक ऐसी प्रक्रिया है जो सोच से भिन्न है। सोच एक अनैच्छिक प्रक्रिया है जो चलती रहती है और इसके विषय बदलते रहते हैं। परन्तु विचारना अधिकांशतः एक योजनाबद्ध प्रक्रिया है, एक ही विषय पर केंद्रित होकर सोचने से विचार का जन्म होता है। सावधानीपूर्वक विचार करने की आदत को विचारशीलता कहते हैं। जब कोई व्यक्ति ऐसी प्रवृत्ति को अपने भीतर विकसित कर लेता है तो उसे विचारशील व्यक्ति कह सकते हैं। कहते हैं मनुष्य के अलावा कोई प्राणी विचार नहीं कर पाता। एक तो मनुष्य प्राणी जगत् का सबसे प्रबुद्ध और बुद्धिमान प्राणी माना जाता रहा है और दूसरे मानवीय संवेदना मनुष्य को एकाकी नहीं बनाकर अपने परिवेश और अन्य प्राणियों के प्रति भी जवाबदेह बनाती है। अतः अपने साथ-साथ अपने चारों ओर के परिवेश के बारे में, प्रकृति में अन्य उपस्थित प्राणियों के बारे में विचार करना मनुष्य के दायित्वों में शामिल होता है। विचारशीलता का मानव जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। यह हमें सही मार्ग चुनने और सही-गलत को पहचानने का विवेक देता है। हमारे जीवन को उद्देश्यपूर्ण बनाता है और किसी भी कार्य को करने से पहले उसके बारे में सोचने-समझने की आदत विकसित करता है। ऐसी समझ और सूझबूझ से ही चिंतन सम्भव होता है। हम कहे-सुने हुए के तात्कालिक प्रभावों की अनदेखी कर चीजों की तह में जाना सीखते हैं, चमक-दमक के पीछे छिपी असलियत को पहचानने लगते हैं। हम चीजों को वैसा देखना सीख सकते हैं जैसी वे वास्तव में हैं, मनुष्य के बिना हैं। विचारशीलता मनुष्य के स्वास्थ्य और उसकी सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। वहीं हर तरह के संबंधों को निभाने और रिश्तों को स्थायित्व देना भी विचारने से ही सम्भव होता है। रिश्ते तभी स्वस्थ रहते हैं जब हम दूसरे की जरूरतों और भावनाओं को समझ सकें और ऐसा तभी सम्भव है जब हममें उन्हें समझने की क्षमता हो। सही निर्णय हेतु दृष्टि में जिस गहराई और सजगता की आवश्यकता होती है वह विचारशीलता से सम्भव होती है।आज के समय में जब मनुष्य के पास तात्कालिक प्रतिक्रिया देने के साधन बहुत ज्यादा हो गए हैं और उसे नकारात्मकता एवं संशय की तरफ धकेलने वाली स्थितियाँ बड़ी हैं इससे संबंधों में संतुलन के लिए जरूरी है कि हम थोड़ा ठहरकर सोचने-समझने की क्षमता विकसित करें। पारस्परिक संबंधों में बड़ी जटिलता को सहज करने हेतु हर कदम सोच-समझकर बढ़ाना आवश्यक हो गया है। संचार के साधनों ने मनुष्य को स्वतन्त्र तो किया है किन्तु संयम रखना भुला दिया है। मनुष्य बातचीत भूलता गया है और एकतरफा प्रतिक्रिया देने का आदी हो गया है। यह आज के समय की मनोवैज्ञानिक समस्या है। हम दूसरे पक्ष को लगभग अनुपस्थित मानकर चलने लगे हैं, हम खाली जगहों की चिन्ता नहीं करते, हमने शब्द उगलते रहने को बतियाना समझ लिया है। विचारशीलता हमें इस तरह की अनेक समस्याओं से बचाती है इस तरह वह बहस और बातचीत एवं लड़ाई और मत भिन्नता के मध्य के अन्तर को समझने की सामर्थ्य हमें देती है। विचारशीलता का सबसे बड़ा लाभ तात्कालिक प्रतिक्रियाओं से बचने की इसकी सम्भावना में है। मनुष्य के सामाजिक जीवन में, रिश्तों-नातों में खटास की सबसे साधारण वजह चीजों पर तात्कालिक प्रतिक्रिया देने की मनुष्य की आदत है। अक्सर द्वेष, प्रतिस्पर्द्धा या बदले की भावना में बहकर मनुष्य बेवजह अनर्गल बोल देता है जिसे लेकर बाद में उसे पछतावा भी होता है। विचारशीलता तत्काल प्रतिक्रिया देने की आदत में प्रतिरोध का काम करती है। इससे मनुष्य करुणापूर्ण दृष्टि से दूसरे की स्थिति को समझने की कोशिश करता है। विचारशीलता भावनात्मक बौद्धिकता को विकसित करती है जिससे आज के समय में होने वाले अनेक प्रकार के तनावों और अवसाद से बचा जा सकता है। विचारशीलता समस्याओं को समझने की दृष्टि देती है जो उनके समाधान की तरफ पहला कदम है। विचारशीलता हमें बेहतर श्रोता बनाती है जो स्पष्ट और खुली बातचीत के लिए आधार बनता है। यह हमें असहमति के दौरान भी दूसरों की भावनाओं और दृष्टिकोणों का ध्यान रखने हेतु प्रेरित करता है। दूसरे का सम्मान करना सिखाता है। इससे संबंधों में खुलापन और स्थायित्व रहता है। विचारशीलता स्थायी संबंध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह जीवन के उतार-चढ़ाव में रिश्तों को जोड़े रखने में सीमेंट का कार्य करता है। **(लेखिका-मोनिका भाम्भू कलाना)**

रेल पेंशनरों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र शिविर आयोजित



नर्मदापुरम/इटारसी। पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल द्वारा रेल सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं पेंशनरों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (वर्ज़न 5.0) अभियान के अंतर्गत 10 नवम्बर को भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा, इटारसी में विशेष शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों को डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने एवं बनवाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस दौरान 45 से अधिक पेंशनरों के डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र तैयार किए गए।कार्यक्रम में एसबीआई मुख्य शाखा के शाखा प्रबंधक सुजीत, सेवानिवृत्त कर्मचारी एसोसिएशन के रामशरण प्रजापति एवं याकूब अली उपस्थित रहे। शिविर के सफल आयोजन में इटारसी के सभी कल्याण निरीक्षकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई तथा पेंशनरों को आवश्यक सहयोग एवं तकनीकी सहायता प्रदान की।

स्टेशन रोड थाना पुलिस की कार्रवाई

पुलिस टीम ने 10 घंटे के भीतर किया नकबजनी के आरोपी को गिरफ्तार





नर्मदापुरम/पिपरिया। जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी आशीष पवार के कुशल नेतृत्व में स्टेशन रोड थाना टी आई महेंद्र सिंह बघेल और उनकी टीम ने नकबजनी मामले का 10 घंटे में पर्दाफाश करने में सफलता प्राप्त की है। तत्संबंध में पुलिस ने बताया कि भारत फायनेंशियल इंक्लूजन (बैंक) पिपरिया के प्रबंधक राजकुमार यादव ने थाने में आकर सूचना दी कि 9-10 नवंबर की दरम्यानी रात किसी अज्ञात चोर ने बैंक का ताला तोड़ कर बैंक के अंदर रखी तिजोरी का ताला तोड़ने का प्रयास किया।बैंक के अंदर से 2 नग लिनेवो कंपनी के टेबलेट चोरी कर लिये है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना स्टेशन रोड पिपरिया में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध नकबजनी करने संबंधी धाराओं 305 (ए), 331 (4) बी. एन. एस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।थाना प्रभारी स्टेशन रोड पिपरिया द्वारा अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पृथक पृथक टीमें बनाकर आरोपी की खोजबीन शुरु की गई । टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए आस पास के लगभग 25 सी.सी.टी.व्ही कैमरों के फुटेज, घटना स्थल पर मिले भौतिक एवं तकनीकि साक्ष्यों को एकत्रित कर संदेह के आधार पर नितिन उर्फ सेंडा निवासी गली नं.एक टावर मोहल्ला पिपरिया को चिन्हित करते हुए आभिरक्षा में लिया गया ।जो कि घटना अवधि में बैंक तरफसे आते जाते संदिग्ध गतिविधि करते दिखाई दिया था ।तथा जिस पर पूर्व से चोरी,नकबजनी के अपराध पंजीबद्ध है। संदिग्ध नितिन उर्फसेंडा से घटना के संबंध में बारीकी से पूछताछ की गई। जो कि आरोपी द्वारा बैंक की पीछे वाली दीवार में लगे पाईप के सहारे बैंक की छत पर चढ़ कर बैंक में प्रवेश कर ताला तोड़ कर नकबजनी करना स्वीकार किया। विधिपूर्वक कार्यवाही करते हुये आरोपी के कब्जे से चोरी किये हुये दो नग टेबलेट कीमती करीबन 70 हजार रूपये बरामद किये गये है। आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से अन्य चोरी के अपराधो के संबंध में भी गहनता से पूछताछ की जा रही है कार्रवाई उपरांत आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जायेगा। पुलिस ने बताया कि आरोपी थाना क्षेत्र का निगरानी बदमाश है इसके विरुद्ध थाना स्टेशन रोड पिपरिया में करीब 1 दर्जन चोरी व नकबजनी के अपराध पंजीबद्ध है। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक महेन्द्र सिंह बघेल, उ.नि राजेन्द्र सिंह कुशवाहा, उ.नि जी.एस ठाकुर, प्र.आर. प्रकाश, आर. अजय चौहान,आर. प्रभाकर, आर. अभिषेक, आर. संजय एवं सायबर सेल से आरक्षक प्रशांत राजपूत की सक्रिय भूमिका रही।

तेज रफ्तार ट्रेनों के सुरक्षित संचालन के लिए पश्चिम मध्य रेलवे की बड़ी पहल

भोपाल। पमरे भोपाल मंडल के द्वारा रेल परिचालन को अधिक सुरक्षित, संरक्षित एवं निर्बाध बनाने तथा रेलवे ट्रैक पर मवेशियों के प्रवेश से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए डीआरएम पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में व्यापक स्तर पर संरक्षा संबंधी कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में खंडवा से बीना तक रेलखंड के दोनों ओर कुल 530 किलोमीटर लंबाई में सुरक्षा घेरा (फेंसिंग) लगाने की महत्वाकांक्षी योजना पर कार्य किया जा रहा है।इस योजना के तहत अब तक कुल 74 किलोमीटर सुरक्षा घेरा लगाने का कार्य पूरा किया जा चुका है। इसमें खंडवा-इटारसी रेलखंड पर 49 किलोमीटर, इटारसी-भोपाल रेलखंड पर 4 किलोमीटर तथा भोपाल-बीना रेलखंड पर 21 किलोमीटर का कार्य शामिल है। पूर्ण किए गए कार्य पर लगभग 2.88 करोड़ रुपये की लागत आई है। शेष कार्य को तेजी से पूरा करते हुए मार्च 2027 तक संपूर्ण 530 किलोमीटर सुरक्षा घेरा तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।





बुधनी-बरखेड़ा घाट सेक्शन में 4 एनिमल ओवरपास निर्मित

मवेशियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने तथा उन्हें रेलवे ट्रैक पर आने से रोकने के लिए बुधनी -बरखेड़ा घाट सेक्शन में कुल 4 एनिमल ओवरपास का निर्माण भी पूरा किया जा चुका है। इनमें 3 ओवरपास अप लाइन तथा 1 ओवरपास मिडिल लाइन में निर्मित किए गए हैं। इन विशेष संरचनाओं के माध्यम से मवेशियों को रेलवे ट्रैक पार करने के लिए सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराया गया है।भोपाल मंडल में 130 किलोमीटर प्रति घंटे एवं उससे अधिक गति से ट्रेनों के सुरक्षित एवं निर्बाध संचालन की दिशा में ये कार्य विशेष महत्व रखते हैं। रेलवे ट्रैक के दोनों ओर सुरक्षा घेरा और उपयुक्त स्थानों पर एनिमल ओवरपास की व्यवस्था से मवेशियों के ट्रैक पर पहुंचने की आशंका कम होगी। इससे ट्रेनों के परिचालन में अनावश्यक व्यवधान, संभावित दुर्घटनाओं तथा रेलवे परिसंपत्तियों को होने वाले नुकसान की रोकथाम में मदद मिलेगी।सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि भोपाल मंडल यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आधुनिक तकनीक, बेहतर आधारभूत संरचना एवं प्रभावी संरक्षा उपायों के माध्यम से रेल परिचालन को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव, मध्य प्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)

-अधिसूचना-

धारा-19(1) के तहत् पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन घोषणा का प्रकाशन

क्रमांक/ 785/भू-अर्जन / 2026 नरसिंहपुर, दिनांक 01/10/2026

रा.मा.क्र. 003 / अ-82/2025-26 ग्राम-दिल्हैरी प.ह.न.-57 न.ब. 249 तहसील-करेली

जहां सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि लोक प्रयोजन शक्कर पेंच लिंक संयुक्त परियोजना (फेज-2) के डूब क्षेत्र हेतु ग्राम-दिल्हैरी प.ह.न.-57 न.ब. 249 तहसील-करेली, जिला-नरसिंहपुर के कुल 79.186 हेक्टेयर भूमि अपेक्षित है इसलिये घोषणा की जाती है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन भू-खंड है, जो 79.186 हेक्टेयर है ग्राम-दिल्हैरी तहसील-करेली जिला-नरसिंहपुर में है, जिसका विस्तृत ब्यौरा निम्नलिखित है :-

अनुसूची-1

1. भूमि का वर्णन

क.	जिला	नरसिंहपुर
ख.	तहसील	करेली
ग.	नगर/ग्राम	ग्राम-दिल्हैरी, प.ह.नं.-57 ब.नं.-249 रा.नि.मं. 03 आमगांव
घ.	प्रभावित परिवारों की संख्या	61
ङ	अर्जित किये जाने वाला प्रस्तावित रकवा	79.186 हेक्टेयर एवं प्रस्वावित क्षेत्रफल पर आने वाली परिसम्पत्तियां

अनुसूची-2

(प्रभावित धारकों की सूची)

सं. क्र.	धारा-11 में प्रकाशित नाम	खसरा नं.	कुल रकवा हेक्टेयर	अर्जित रकवा हेक्टेयर	विवरण
1	2	3	4	5	7
1	जानकीबाई पत्नी रामलाल गौंड सा, दिल्हैरी	651/3(S)	1.465	2.128	
		699(S)	0.663		
2	भादू पिता सीताराम गौंड सा, दिल्हैरी	651/2(S)	0.890	0.383	
3	बिस्सोबाई वेबा रुपसा, अच्छेलाल, पीतम, एतियाबाई पिता रुपसा गोंड	655(S)	1.189	1.189	
4	रामलाल पिता रत्तम गौंड सा, दिल्हैरी	656(S)	1.590	1.590	
5	किशन पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	657(S)	0.615	0.615	
6	भागचंद्र पिता त्रिलोक गौंड सा, दिल्हैरी	658(S)	2.371	2.371	
7	गिरानूबाई पति चेतू विनीताबाई पिता चेतू गौंड सा, दिल्हैरी	659(S)	4.128	4.128	
8	कुदियाबाई पत्नी त्रिलोक गौंड सा, दिल्हैरी	660(S)	0.938	0.938	
9	कुदियाबाई पत्नी त्रिलोक गौंड सा, दिल्हैरी	661(S)	0.571	0.571	
10	फूलाबाई पत्नी हन्नू गौंड सा, दिल्हैरी	662(S)	2.452	2.452	
11	फूलाबाई पत्नी हन्नू गौंड सा, दिल्हैरी	663(S)	0.510	0.510	
12	शनिराम जीजीबाई वर्षा पिता गनेश गौंड सा, दिल्हैरी	664/1(S)	0.541	0.541	
13	भुगियाबाई पत्नी किशोर गौंड सा, दिल्हैरी	664/2(S)	0.300	0.300	
14	रामजी पिता दित्रू गौंड सा, दिल्हैरी	665(S)	1.036	0.730	
15	भुगियाबाई पत्नी किशोर, जगवती, सियावती भगवती, सियाराम पिता किशोर गौंड सा, दिल्हैरी	675/1 (S)	0.509	0.509	
16	गेंदालाल पिता रामदयाल ठाकुर सा, दिल्हैरी	675/2(S)	0.509	0.509	
17	किशन पिता रामदयाल ठाकुर सा. दिल्हैरी	675/3(S)	0.509	0.509	
18	मानवती इनवती पति कमलभान पता नरसिंहपुर	675/4(S)	0.509	0.509	
19	नौनेशा पिता रामदयाल ठाकुर सा, दिल्हैरी	675/5(S)	0.509	0.509	
20	किशन पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	676/1(S)	1.269	1.269	
21	नोनैसा पिता रामदयाल गौंड सा दिलैरी	676/2(S)	2.000	2.000	
22	विष्णु पिता हरप्रसाद गोड, पता भेरोपुर, आनंद सिंह पिता मदन सिन्ह ठाकुर पता जबलपुर	677(S)	0.777	0.777	
23	रतनलाल पिता कारे गौंड सा दिल्हैरी	678(S)	0.898	0.898	
24	फूलाबाई पत्नी हन्नू गौंड सा, दिल्हैरी	679(S)	0.210	0.210	
25	विष्णु पिता हरप्रसाद गोड, पता भेरोपुर, तहसील गाडरवारा	680(S)	1.615	1.615	
26	रतनलाल पिता कारे गौंड सा, दिल्हैरी	681(S)	1.412	1.412	
27	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा. दिल्हैरी	682(S)	0.624	0.624	
28	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	683(S)	0.603	0.603	
29	कुदियाबाई पत्नी त्रिलोक गौंड सा, दिल्हैरी	684(S)	0.680	0.680	
30	भुगियाबाई पत्नी किशोर गौंड सा, दिल्हैरी	685(S)	1.064	1.064	
31	कुदियाबाई पत्नी त्रिलोक गौंड सा, दिल्हैरी	686(S)	0.963	0.963	
32	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	687(S)	0.405	0.405	
33	किशन पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	689/1(S)	0.583	0.583	
34	छोटीबाई बेबा वीरेंद्र, संतलाल पिता वीरेंद्र गौंड सा, दिल्हैरी	689/2(S)	1.234	1.234	
35	रामजी पिता दिन्नू गौंड सा, दिल्हैरी	690(S)	0.316	0.316	
36	जानकीबाई पत्नी रामलाल गौंड सा, दिल्हैरी	691(S)	0.894	0.894	
37	अनीता पिता चेतू गिरानूबाई बेबा चेतू गौंड सा, दिल्हैरी	692(S)	0.696	0.696	
38	भादू पिता सीताराम गौंड सा, दिल्हैरी	693(S)	0.720	0.991	
		694/1(S)	0.271		
39	मनोवती पत्नी बक्तू गौंड सा, दिल्हैरी	694/2(S)	0.295	0.295	
40	मनोवती पत्नी बक्तू गौंड सा, दिल्हैरी	695(S)	1.858	1.858	
41	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	697(S)	0.749	0.749	
42	रामलाल पिता रत्तम गौंड सा, दिल्हैरी	698(S)	0.898	0.898	
43	शनिराम जीजीबाई वर्षा पिता गनेश गौंड सा, दिल्हैरी	700(S)	1.942	1.942	
44	कुदियाबाई पत्नी त्रिलोक गौंड सा, दिल्हैरी	701(S)	0.279	0.279	
45	शनिराम जीजीबाई वर्षा पिता गनेश गौंड सा, दिल्हैरी	702(S)	0.971	0.971	
46	रक्खन पिता बलीराम गौंड सा, दिल्हैरी	703(S)	0.906	2.160	
		704(S)	1.254		
47	रामलाल पिता रत्तम गौंड सा. दिल्हैरी	705(S)	0.299	0.299	
48	भादूपिता सीताराम गौंड सा, दिल्हैरी	706(S)	1.303	1.303	
49	श्यामलाल, रमेश, कमलेश, दुर्गेश, दुर्गा, जिजिया बाई पिता फूलसिह ठाकुर सा, दिल्हैरी	707(S)	1.254	1.254	
50	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	708(S)	0.518	0.518	
51	किशन पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	709/1(S)	0.424	0.424	
52	नौनेसा पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	709/2(S)	0.425	0.425	
53	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	710(S)	0.405	0.405	
54	किशन पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	711/1(S)	0.280	0.280	
55	नौनेसा पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	711/2(S)	0.279	0.279	
56	रज्जु पिता सीताराम गौंड सा, दिल्हैरी	712(S)	1.121	1.121	
57	कुदियाबाई पत्नी त्रिलोक गौंड सा, दिल्हैरी	713/1(S)	0.623	0.623	
58	अनीता पिता चेतू गिरानूबाई बेबा चेतू गौंड सा, दिल्हैरी	713/2(S)	0.600	0.600	
59	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	715(S)	0.259	0.259	
60	श्यामलाल, रमेश, कमलेश, दुर्गेश दुर्गा, जिजिया बाई पिता फूलसिह ठाकुर सा, दिल्हैरी	717(S)	1.753	1.753	
61	श्यामलाल, रमेश, कमलेश, दुर्गेश दुर्गा, जिजिया बाई पिता फूलसिह ठाकुर सा, दिल्हैरी	718(S)	0.717	0.717	
62	फूलाबाई पत्नी हन्नू गौंड सा, दिल्हैरी	719(S)	1.121	1.506	
		735(S)	0.385		
63	विष्णु पिता हरप्रसाद गौंड, पता भेरोपुर, आनंद सिंह पिता मदन सिन्ह ठाकुर पता जबलपुर	720(S)	0.943	0.943	
64	विष्णु पिता हरप्रसाद गौंड, पता भेरोपुर, आनंद सिंह पिता मदन सिन्ह ठाकुर पता जबलपुर	721/1(S)	0.473	0.473	
65	संतवती नाबलिग पिता वीरेद्र संरक्षक छोटीबाई गौंड सा, दिल्हैरी	721/2(S)	0.405	0.405	
66	भजन पिता रामसनेही गौंड सा, दिल्हैरी	722(S)	0.757	0.757	
67	किशन पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	723(S)	0.470	0.470	
68	विष्णु पिता हरप्रसाद गौंड, पता भेरोपुर, आनंद सिंह पिता मदन सिन्ह ठाकुर पता जबलपुर	724(S)	0.757	0.757	
69	श्यामलाल, रमेश, कमलेश, दुर्गेश दुर्गा, जिजिया बाई पिता फूलसिह ठाकुर सा, दिल्हैरी	725/1(S)	0.221	0.221	
70	सोबरन पिता मुकुन्दीलाल ठाकुर सा, दिल्हैरी	725/2(S)	0.220	0.220	
71	श्यामलाल, रमेश, कमलेश, दुर्गेश दुर्गा, जिजिया बाई पिता फूलसिह ठाकुर सा, दिल्हैरी	726/1(S)	0.227	0.227	
72	सोबरन पिता मुकुन्दीलाल ठाकुर सा, दिल्हैरी	726/2(S)	0.227	0.227	
73	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	727(S)	0.271	0.271	
74	शानिराम जीजीबाइ वर्षा पिता गनेश गौंड सा, दिल्हैरी	728/1(S)	0.140	0.140	
75	भुगियाबाई पत्नी किशोर गौंड सा, दिल्हैरी	728/2(S)	0.139	0.139	
76	भागचंद्र पिता त्रिलोक गौंड सा, दिल्हैरी	729/1(S)	0.046	0.046	
77	अनीता पिता चेतू गिरानूबाई बेवा चेतू गौंड सा, दिल्हैरी	729/2(S)	0.046	0.046	
78	पूनाबाई पत्नी बलीराम गौंड सा, दिल्हैरी	729/3(S)	0.046	0.046	
79	नौनेसा पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	731(S)	0.109	0.109	
80	रामलाल पिता रतन ठाकुर सा, दिल्हैरी	732/1(S)	0.162	0.162	
81	रतनलाल पिता कारे गौंड सा, दिल्हैरी	732/2(S)	0.421	0.421	
82	रतनलाल पिता कारे गौंड सा, दिल्हैरी	733(S)	0.081	0.081	
83	रामलाल पिता रत्तम गौंड सा, दिल्हैरी	734/1(S)	0.406	0.406	
84	भजन पिता रामसनेही गौंड सा, दिल्हैरी	734/2(S)	0.303	0.303	
85	भादु पिता सीताराम गौंड सा, दिल्हैरी	736(S)	0.182	0.182	
86	रामजी पिता दिन्नू गौंड सा. दिल्हैरी	737(S)	0.162	0.162	
87	श्यामलाल, रमेश, कमलेश, दुर्गेश दुर्गा, जिजिया बाई पिता फूलसिह ठाकुर सा, दिल्हैरी	739(S)	0.255	0.255	
88	भागचंद्र पिता त्रिलोक गौंड सा, दिल्हैरी	740(S)	0.283	0.283	
89	सीताराम किशन भदूकदू पिता सीताराम पिता सुम्मी गौंड सा, दिल्हैरी	743/1(S)	0.405	0.405	
90	कददू पिता सीताराम गौंड सा, दिल्हैरी	743/2(S)	0.910	0.910	
91	सोबरन पिता मुकुन्दीलाल ठाकुर सा, दिल्हैरी	745(S)	0.328	0.328	
92	सोबरन पिता मुकुन्दीलाल ठाकुर सा, दिल्हैरी	746(S)	0.162	0.162	
93	सोबरन पिता मुकुन्दीलाल ठाकुर सा, दिल्हैरी	749(S)	0.466	0.466	
94	भजनलाल पिता रामसनेही गौंड सा, दिल्हैरी	750(S)	0.583	0.583	
95	पूनाबाई पत्नी बलीराम गौंड सा. दिल्हैरी	751(S)	2.298	2.298	
96	सोबरन पिता मुकुन्दीलाल ठाकुर सा, दिल्हैरी	753(S)	0.413	0.413	
97	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	754(S)	0.652	0.652	
98	विष्णु पिता हरप्रसाद गौंड पता भेरोपुर तहसील गाडरवारा	755(S)	0.534	0.534	
99	भददू पिता सीताराम गौंड सा, दिल्हैरी	757(S)	1.356	1.356	
100	छेटेलाल उर्फ सोमलाल पिता दित्रू गौंड सा, दिल्हैरी	758/1/1(S)	2.007	2.007	
101	विष्णु पिता हरप्रसाद गौंड, पता भेरोपुर, आनंद सिंह पिता मदन सिन्ह ठाकुर पता जबलपुर	758/1/2(S)	0.287	0.287	
102	बक्तु पिता हरीराम गौंड सा, दिल्हैरी	758/2(S)	1.000	1.000	
103	गेंदालाल पिता रामदयाल गौंड सा, दिल्हैरी	651/4(S) 651/4	0.890	0.890	
	कुल योग-		79.999	79.186	

(2) यह घोषणा हितबद्ध व्यक्तियों के आक्षेपों को सुनने और भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 (2013 का 30) की धारा 15 में यथा उपबंधित सम्यक जांच करने के पश्चात् की गयी है। भूमि अर्जन के प्रकरण पुनर्व्यवस्थापन के लिये सम्भावित कुटुम्ब की संख्या 61 है जिनके लिये पुनर्व्यवस्थापन के लिये क्षेत्र चिन्हित कर लिया गया है जिसका विवरण निम्नलिखित है- ग्राम-दिल्हैरी, रा.नि.म. -03 आमगांव, तहसील-करेली के खसरा नं. 363 का रकवा 6.552 हे. एवं खसरा नम्बर 497 रकवा 4.132 हे.।

उक्त भूमि के या उक्त भूमि के किसी भाग में पड़े कोयला, लौह पत्थर, स्लेट या अन्य खनिजों की खानें हैं, खान और खनिज के ऐसे भागों में, जिन्हें उस प्रयोजन, जिसके लिए भूमि अर्जित की जा रही है, की परियोजना के निर्माण चरण के दौरान खोदे जाने या हटाये या उपयोग किए जाने की अपेक्षा है, को छोड़कर आवश्यक नहीं है।

परियोजना हेतु पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन स्कीम आयुक्त महोदय जबलपुर संभाग जबलपुर द्वारा पत्र क्रमांक-328 / राजस्व शाखा-1/2026 जबलपुर दिनांक 27/05/2026 द्वारा अनुमोदन किया जा चुका है। जिसका सार निम्नानुसार है-

(1) ग्रामीण क्षेत्र में प्रभावित किसी मकान से वंचित किये जाने की दशा में प्रधानमंत्री आवास योजना विनिर्देशों के अनुसार एक निर्मित मकान उपलब्ध कराया जाएगा जिसका कुर्सी क्षेत्र 2400 वर्गफुट होगा। (2) कॉडिका-1 में वर्णित फायदों को ऐसे किसी प्रभावित कुटुम्बों को, जो वासक्षेत्र भूमि से रहित है और जो प्रभावित क्षेत्रों की अधिसूचना की तारीख के पूर्ववर्ती क्षेत्रों की अधिसूचना की तारीख के पूर्ववर्ती तीन वर्ष से अन्य अवधि तक लगातार क्षेत्र में रह रहा है और जिसे ऐसे क्षेत्र से अनिच्छा से विस्थापित किया गया है भी विस्तारित किया जाएगा। (3) यदि कोई प्रभावित कुटुंब जो प्रस्थापित मकान को न लेने का विकल्प करता है, तो निर्मित मकान के बदले मकान के समतुल्य खर्च प्रस्थापित किया जा सकेगा। (4) अर्जन से प्रभावित किसी कुटुंब को इस अधिनियम के उपबंधों के अधीन एक से अधिक मकान नहीं दिया जाएगा। (5) ऐसे प्रत्येक प्रभावित कुटुंब को पांच लाख रूपए का एक बारगीसंदाय दिया जावेगा एवं ऐसे प्रत्येक प्रभावित कुटुंब, जिसे अर्जित भूमि से विस्थापित किया गया है. को अधिनिर्णय की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक प्रतिमास तीन हजार रूपये के समतुल्य मासवार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। इस रकम के अतिरिक्त अनुसूचित क्षेत्रों से विस्थापित किए गए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोग पचास हजार रुपए के समतुल्य रकम प्राप्त करेंगे। (6) ऐसे प्रत्येक प्रभावित कुटुंब जो विस्थापित हुआ है, को कुटुंब, भवन सामग्री, घरेलू सामग्री और पशुओं के स्थानांतरण के लिए परिवहन खर्च के रूप में एक बार पचास हजार रूपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। (7) पशु या छोटी दुकान रखने वाले को एक बार न्यूनतम पच्चीस हजार रूपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी एवं कारीगरों एवं छोटे व्यापारियों को एक बार न्यूनतम पच्चीस हजार रूपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। (8) प्रभावित कुटुंबों को जलाशय में मछली पकड़ने के अधिकार की अनुज्ञा ऐत्ती रीति में दी जा सकेगी जो समुचित सरकार द्वारा विहित की जाए। (9) प्रत्येक प्रभावित कुटुंब को केवल पचास हजार रूपये का एक बार पुनर्व्यवस्थापन भत्ता दिया जाएगा। (10) प्रभावित कुटुंबों को आवंटित भूमि या मकान के रजिस्ट्रीकरण के लिए संदेयस्टांप शुल्क और अन्य फीस का वहन अपेक्षक निकाय द्वारा किया जाएगा। (11) प्रभावित कुटुंबों को आवंटित मकान के लिए भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होगी। (12) आवंटित भूमि या मकान प्रभावित कुटुंब की पत्नि और पति दोनों के संयुक्त नाम में हो सकेगा। अधिनियम 2013 की तीसरी अनुसूची अनुसार प्रभावित कुटुंबों / जनसमुदाय के पुनर्व्यवस्थापन के लिए अध्यपेक्षा प्राधिकारी के खर्चे पर निम्नलिखित अवसंरचनात्मक सहूलियतें और मूलभूत न्यूनतम सुविधाए यह सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध कराई जाएंगी कि नए गांव या कालोनी में पुनर्व्यवस्थापन जन समुदाय स्वयं के लिए एक युक्तियुक्त सामुदायिक जीवन स्तर प्राप्त कर सके और विस्थापन से हुए अभिघात को कम करने का प्रयास कर सकें। युक्तियुक्त वासयोग्य और नियोजित व्यवस्थापन के लिए न्यूनतम निम्नलिखित सहूलियतें और संसाधन उपलब्ध कराई जावेगी। (13) सभी पुनर्व्यवस्थापित कुटुंबों के लिए पुनर्व्यवस्थापित ग्रामों के भीतर सड़क और पक्की सड़क, मार्ग से जुड़ी बारहमासी सड़क और सुखाधिकार की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। (14) वास्तविक पुनर्व्यवस्थापन के पहले उचित निकासी और स्वच्छता योजनाएं निष्पादित की जाएं। (15) भारत सरकार द्वारा विहित मानकों के अनुसार प्रत्येक कुटुंब के लिए सुरक्षित पेयजल का एक या अधिक सुनिश्चित संसाधन । (16) पशु के लिए पेयजल की व्यवस्था। (17) राज्य की स्वीकार्य अनुपात के अनुसार चारागाह (18) उचित मूल्य की दुकान की युक्तियुक्त संख्या (19) यथेचित पंचायत घर (20) विस्थापित व्यक्तियों के पुनव्यवस्थापन के लिए स्थापित सभी नए ग्रामों को उपयुक्त परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी जिसमें नजदीकी विकास केन्द्र / शहरी रिहायशों से स्थानीय बस सेवाओं के माध्यम से सार्वजनिक परिवहन सुविधाएं अवश्य सम्मिलित होनी चाहिए। (21) जाति समुदायों और उनकी प्रथाओं के आधार पर कब्रिस्तान या शवदाह गृह (22) स्वच्छता के लिए सुविधाएं जिसके अंतर्गत व्यक्तिगत प्रसाधन बिन्दु (23) प्रत्येक घर और सार्वजनिक प्रकाश के लिए व्यक्तिगत एकल विद्युत कनेक्शन (या सौर ऊर्जा जैसे ऊर्जा के गैर-परंपरागत संसाधनों के माध्यम से कनेक्शन) (24) शिशु और माता को पूरक पोषणीय सेवाएं उपलब्ध कराने वाली आंगनबाड़ी (25) निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (2009 का 35) के उपबंधों के अनुसार विद्यालय (26) दो किलोमीटर क्षेत्र के भीतर उप स्वास्थ्य केन्द्र (27) भारत सरकार द्वारा यथाविहित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (28) बच्चो के लिए क्रीडाक्षेत्र (29) प्रत्येक सौ कुटुंबों के लिए एक सामुदायिक केन्द्र (30) प्रभावित क्षेत्र की संख्या और उनके आयाम से संगत प्रत्येक पचास कुटुंबों के लिए पूजा स्थल और सामुदायिक सभा के लिए चौपालध्वृक्ष चौतरा (31) व्यवस्थापन के लिए समुचित सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए यदि आवश्यक हो (32) मानको के अनुसार पशुपालन सेवा केन्द्र। (33) प्रभावित कुटुंबों के पुनर्व्यवस्थापन हेतु तहसील करेली के ग्राम दिल्हैरी में शासकीय भूमि खसरा नं. 363 का रकवा 6.552 हे0, खसरा नं. 497 का रकवा 4.132 हे. है। शक्कर पेंच लिंक संयुक्त परियोजना (फेज-2) शक्कर बांध अंतर्गत प्रभावित कुटुंबों को उपरोक्तानुसार पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन नीति के तहत एक 60×40 वर्गफुट का आवासीय भू-खण्ड चिन्हांकित खसरो के आवंटन पश्चात, प्रभावित कुटुंबों की मांग अनुसार आवंटन की कार्यवाही लाटरी के माध्यम से की जावेगी। (34) प्रभावित कुटुंबों के पुनर्व्यवस्थापन हेतु तहसील करेली के ग्राम दिल्हैरी में शासकीय भूमि चिन्हित की हुई है। (35) उपरोक्तानुसार लाभ एवं सुविधायें प्रभावित व्यक्तियों को प्रभावित ग्राम / मकानों में भू अर्जन अधिनियम 2013 की धारा 11 की प्रारंभिक अधिसूचना के प्रकाशन दिनांक के पूर्व तीन वर्ष से अन्यून अवधि तक लगातार क्षेत्र में निवास करने की स्थिति में ही देय होगे तथा धारा 11 के प्रकाशन दिनांक के पूर्व तीन वर्ष से अन्यून अवधि तक लगातार क्षेत्र में निवास को प्रमाणित किये जाने हेतु दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किये जाने का उत्तरदायित्व संबंधित प्रभावित कुटुंबों (व्यक्तियों) का होगा। (36) अधिनियम की धारा 3डी के तहत प्रभावित कुटुंब (व्यक्ति)

सिमरा के राम-जानकी मंदिर प्रांगण में दीप प्रज्ज्वलित कर मनाया दीपोत्सव

बेलखाडू में धूमधाम से मनी दीपावली पारंपरिक रूप से हुआ गोवंश का पूजन

बेलखाडू। बेलखाडू एवं आसपास के ग्रामों में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। दीपों के इस महापर्व पर पूरा क्षेत्र रोशनी से जगमगा उठा। लोगों ने अपने घरों को आकर्षक झालरों, रंग-बिरंगी लाइटों और दीपों से सजाया। शाम होते ही घरों में विधि-विधान से मां लक्ष्मी एवं भगवान श्रीगणेश का पूजन-अर्चन किया गया। वहीं युवाओं और बच्चों ने जमकर आतिशबाजी कर दीपावली की खुशियां मनाई। देर रात तक गांवों में उत्सव का माहौल बना रहा।

दीपावली के दूसरे दिन परमा पर गोवर्धन पूजा का पर्व भी ग्रामीण अंचलों में विशेष उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वर्षों पुरानी परंपराओं का निर्वहन करते हुए गोवंश का पारंपरिक तरीके से पूजन-अर्चन किया गया। पशुओं को आकर्षक ढंग से सजाकर उनकी पूजा की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में गोवर्धन पूजा के साथ ही दिवारी गीत और लोक संस्कृति की अनूठी छटा देखने को मिली।



5100 दीपों से जगमगाया मंदिर परिसर

बेलखाडू के समीपी ग्राम सिमरा में दीपोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। यहां रामजानकी मंदिर प्रांगण में ग्रामीणों द्वारा 5100 दीपक प्रज्ज्वलित किए गए। सैकड़ों दीपों की रोशनी से मंदिर परिसर जगमगा उठा और वातावरण भक्तिमय हो गया। ग्रामीणों ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर भगवान श्रीराम का स्मरण किया तथा जय श्रीराम के जयघोष के साथ दीपोत्सव मनाया। इस आकर्षक नजारे को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

हरदुआ में दिवारी नृत्य और गोवंश पूजन ने बिखेरी लोक संस्कृति की छटा

वहीं बेलखाडू के समीपी ग्राम हरदुआ में गोवर्धन पूजा के अवसर पर प्राचीन परंपरा के अनुसार गोवंश का पूजन किया गया। ग्वाल-बालों ने आयोजन में हिस्सा लिया। इस दौरान ग्राम के अनारी लाल यादव ने विधिवत परंपरा का निर्वहन करते हुए जड़ को उखाड़ा। इसके पश्चात ग्राम के समीप स्थित गौरैया बाबा के स्थान पर पहुंचकर पूजन-अर्चन किया गया।

हरदुआ में आयोजित इस पारंपरिक आयोजन को देखने के लिए बेलखाडू सहित आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। गोवंश पूजन, दिवारी गीत, लोकनृत्य और धार्मिक आयोजनों के माध्यम से ग्रामीणों ने अपनी पुरातन संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत रखा। दीपावली के बाद गोवर्धन पूजा पर गांवों में दिखाई दिया यह उत्साह ग्रामीण संस्कृति, आपसी भाईचारे और धार्मिक आस्था का सुंदर उदाहरण बना।



दीपावली पर्व के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा के अवसर पर अमृत गौ सेवा संस्थान पड़रिया में धार्मिक श्रद्धा एवं उत्साह के साथ गोवर्धन पूजा संपन्न हुई। इस अवसर पर विधि-विधान के साथ गोमाता का पूजन-अर्चन किया गया। श्रद्धालुओं ने गोमाता को तिलक लगाकर, फूल-माला पहनाकर तथा आरती उतारकर पूजा की और परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की।गोवर्धन पूजा के दौरान गौमाता के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव देखने को मिला। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गोवर्धन पूजा प्रकृति, पशुधन और गौवंश के संरक्षण का संदेश देती है। इस अवसर पर गौसेवा के महत्व को रेखांकित करते हुए गोमाता की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण का संकल्प लेने का संदेश भी दिया गया। अमृत गौ सेवा संस्थान पड़रिया में आयोजित इस धार्मिक आयोजन से वातावरण भक्तिमय बना रहा।



आज भाई बहन के पवित्र प्रेम का पर्व

पनागर, यशभारत। भाई दूज का पर्व हमें भारतीय परिवार व्यवस्था की उसे सुंदर परंपरा का स्मरण करता है जिसमें रिश्तो को केवल सामाजिक दायित्व नहीं बल्कि भावनात्मक और आध्यात्मिक संबंध माना जाता है इस दिन बहन अपने भाई के माथे पर तिलक लगाकर उसकी लंबी आयु सुख समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना करती है वही भाई अपनी बहन के प्रति प्रेम सम्मान और सहयोग का संकल्प करता है भारतीय संस्कृति में पर्व और त्योहार की व हर्ष उल्लास ,खान-पान और परंपराओं के निर्वहन तक सीमित नहीं है बल्कि इसके पीछे गहन सामाजिक सांस्कृतिक आध्यात्मिक संदेश भी छुपे हुए हैं। भाई दूज का यहां



पर कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीयं तिथि को मनाया जाता है यह दीपावली के दो दिन पश्चात आता है बहन भाई को तिलक लगाकर मुंह मीठा करवाती हैं वही भाई चरण स्पर्श कर अपनी बहन से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं भाई भी बहनों को उपहार देते हैं और उनके सुख-दुख में साथ निभाना का वचन देते हैं। परंपरागत इस त्यौहार को आज सभी जगह मनाया जाएगा।

ठंड प्रारंभ, सुबह-शाम लोग जलने लगे अलाव

पनागर, यशभारत। इस वर्ष विगत कुछ दिनों से ठंड ने अपनी आने की आहट दे दी है। सुबह शाम दोनों टाइम अब इसकी प्रभाव से लोग छोटी-छोटी आग जलाकर इससे निपटने की तैयारी में जुट गये हैं ।क्षेत्र में ठंड का असर अब धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। सुबह और शाम के समय ठंडी हवाओं के चलते लोगों की दिनचर्या में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। ठंड से बचाव के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में लोग सुबह-शाम जगह-जगह अलाव जलाकर तापते नजर आने लगे हैं। नगर के चौक-चौराहों ग्रामीण बस्तियों और घरों के बाहर लोग लकड़ियां जलाकर ठंड से राहत पाने का प्रयास कर रहे हैं।वहीं बेलखाडू चौराहे पर भी ठंड का असर साफ दिखाई देने लगा है। जहां पहले सुबह होते ही लोगों की आवाजाही और चाय-नाश्ते की दुकानों पर चहल-पहल शुरू हो जाती थी, वहीं अब सुबह के समय सड़कों पर सन्नाटा नजर आने लगा है। लोग ठंड कम होने और धूप निकलने के बाद ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। इसके चलते चौराहे पर सुबह की रौनक भी देर से लौट रही है।ठंड बढ़ने के साथ ही गर्म कपड़ों का उपयोग भी बढ़ने लगा है। सुबह और शाम के समय लोग गर्म कपड़ों में नजर आ रहे हैं। मौसम में आए इस बदलाव से अब क्षेत्र में सर्दी का एहसास होने लगा है। सर्वाधिक ठंड ग्रामीण क्षेत्रों में जहां खुला वातावरण होता है वहां देखने मिलती है। नदी का क्षेत्र और सभी गांव में जहां तालाब होते हैं वहां भी सर्वाधिक ठंड देखने मिलती है।



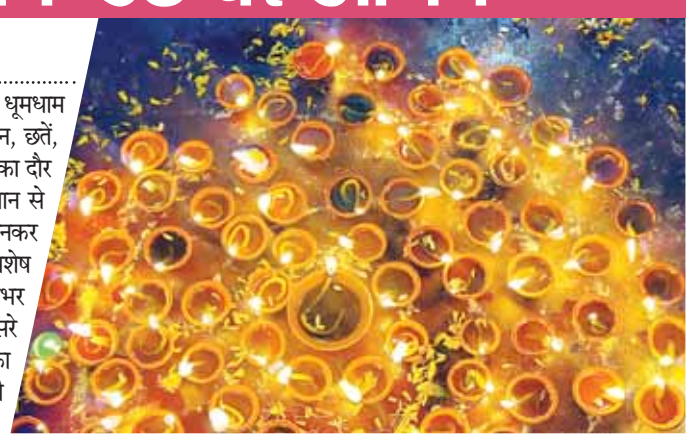
गोवर्धन पूजन महोत्सव एवं गौ पूजन समारोह

जबलपुर। आज आयोजित गोवर्धन पूजन महोत्सव एवं गौ पूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्री सुशील इंदु तिवारी जी, विधायक पनागर विधानसभा एवं श्रीमती माया तिवारी जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।इस अवसर पर श्रीवृद्धि गुरु गौशाला के संचालक ज्योतिषाचार्य पंडित राहुल दीक्षित जी, श्रीमती प्रियदर्शनी दीक्षित जी, श्रीमती प्राची जी, श्री अशोक दहरिया जी, श्री कमलेश चडार जी, श्री राम रघुवंशी जी, श्री मदन अवस्थी जी एवं श्री हर्षवर्धन मिश्रा जी सहित समस्त गौभक्त एवं सेवकजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम में भगवान श्री गिरिराज धरण गोवर्धन जी का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया तथा गौ माता का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद एवं भंडारे का आयोजन किया गया। गौ माता केवल हमारी आस्था का केंद्र नहीं, अपितु समस्त जगत के कल्याण की आधारशिला हैं। गौ माता जगत जननी हैं, राष्ट्र माता हैं और सभी का मंगल करने वाली हैं।

दीपों की रोशनी से दमक उठे घर-आंगन

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दीपोत्सव का पर्व

गोसलपुर, यशभारत। दीपावली का पर्व इस बार गोसलपुर सहित समूचे अंचल में बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया पूरा नगर दीपों की जगमगाहट से सराबोर नजर आया जैसे ही शाम ढली, घर-आंगन, छतें, चौबारे और मंदिर दीयों और झालरों की रोशनी से दमक उठे सुबह से ही घरों में साफ-सफाई और सजावट का दौर चलाने महिलाओं ने घर के मुख्य द्वार पर रंग-बिरंगी रंगोली बनाई और तोरण सजाए शाम को विधि-विधान से माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की गई बच्चों में दिखा खास उत्साह बच्चों ने नए कपड़े पहनकर आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं नगर व गांव के प्रमुख मंदिरों में विशेष पूजा और महाआरती का आयोजन हुआ जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए नगर के झंडा बाजार में भी दिनभर रौनक बनी रही मिठाई, दीये, पटाखे और पूजा सामग्री की दुकानों पर भारी भीड़ देखी गई ग्रामीणों ने एक-दूसरे के घर जाकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं बुजुर्गों ने सभी को आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ रहने का संदेश दिया।देर रात तक पूरा गोसलपुर रोशनी और खुशियों से जगमगाता रहा वही दूसरी ओर दीपावली की शुभकामनाओ के संदेश का आदान-प्रदान सोशल मीडिया में सुबह से लेकर देर रात तक चलता रहा।



दान करने से गौरव प्राप्त होता है ना कि धन की संग्रह करने से: निर्दोष सागर



पनागर, यशभारत। आज बड़े जैन मंदिर की सभागार में अपनी सम्यक्त्व कौमुदी की क्लास में पूज्य मुनि श्री 108 निर्दोष सागर महाराज जी ने व्याख्या करते हुए बताया कि दान करने से गौरव प्राप्त होता है न कि धन की संग्रह से, दान करने वाली की स्थिति मेघ के समान होती है जो सदैव ऊपर की ओर विद्यमान रहता है जबकि जल के संचय के प्रभाव से समुद्र सदा नीचे पृथ्वी पर ही रहता है और उसकी स्थिति नीची होती है और दान के प्रभाव से मेघ सदैव आसमान में ऊपर रहता है इसलिए आचार्यों ने कहा है कि दान करने से मनुष्य का इस लोक ही नहीं परलोक में भी वह पूज्य होता है।

आगे मुनिवर ने यह भी कहा कि दान पूजा करने से मनुष्य की उत्तम गति प्राप्त होती हैं यह दानी मनुष्य त्याग और भोग के प्रभाव से जीवित रहता हुआ भी स्वर्गीय जैसे सुख को भोगने वाला है। और मरकर भी स्वर्गीय के सुख को भोक्ता है कृपड़ मनुष्य भोग और दान से रहित होने के कारण नारकी होता है। सैकड़ो प्रयासों से प्राप्त तथा प्राणों से भी गुरुतर धन की एक ही गति होती है दान देना अथवा नष्ट होना। कंजूस व्यक्ति सदा धन का संग्रह करता है वह यह जानता है कि चक्रवर्ती आदि सम्राट और सभी बड़े मनुष्य इस धन को छोड़कर चले गए हैं फिर भी वह धन संग्रह के लिए लगा रहता है। लक्ष्मी का फल दान है, शास्त्र पढ़ने का फल शांति धारण करना है, हाथ का फल देव पूजा है, धर्म का फल दूसरों की पीड़ा दूर करने में पुरुषार्थ करना है, वाणी का फल शब्द बोलना है जगत का फल सुखोपभोग करना है, संपन्निता का फल प्रभाव को नियत करना है, भाव जीवन का फल भव्यजीवो द्यद्व बुद्धि का फल संसार में शांति किस प्रकार हो ऐसा विचार करना है क्योंकि ऐसी बुद्धि ही विभूति के लिए होती है।आज पूज्य मुनि श्री ने पनागर के देवरी राम वार्ड निवासी ब्रह्मचारी आशीष भैया जी ने दीपावली के शुभ अवसर पर भोपाल में पूज्य आचार्य श्री 108 समय सागर महाराज जी के संघ में धर्म ध्यान करने हेतु अपने आप को समर्पित कर दिया जिसकी आज गुरुवर ने अपने प्रवचन के दौरान भूरी भूरी प्रशंसा की एवं उन्हें मोक्ष मार्गी बताते हुए आशीर्वाद दिया।

कुंडम तालाब में 3 दिन से पड़ा मृत बैल



कुंडेश्वर धाम । कुंडम हिरन नदी का उद्गम स्थल कुंडम तालाब जहां पहले से और ज्यादा गंदगी तो है ही पर आज से 3 दिन पहले दो बैलों के लड़ते-लड़ते एक बैल तालाब में गिर गया । जिसे लोग देखते रहे वीडियो बनाते रहे मगर उसे बचाया नहीं जा सका। आज 3 दिन से तालाब में मरा पड़ा है स्थानीय लोगों ने सरपंच, तालाब ठेकेदार, सफाई ठेकेदार,को अवगत कराया। मगर इस और किसी का ध्यान नहीं दिया। आज तालाब का पानी दूषित होगा। आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि यहां दुर्गंध फैलेगी, बीमारियां फेलेगी इसका जवाबदार कौन होगा। जनपद पंचायत सीईओ, कुंडम एसडीएम इस पर ध्यान दें और मरे हुए बैल को तालाब से निकलवाया जावे।

ढोलक की थाप पर नाची गौ माता

गोसलपुर, यशभारत। .अंचल के गांवों में गोवर्धन महोत्सव इस बार भी पुरानी परंपराओं के अनुसार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया सुबह से ही ग्रामीण अपने गोवंश को सजा-धजाकर गौरूया बाबा के स्थान पर लेकर पहुंचे गांव भर की गायों, बैलों को एक जगह एकत्रित कर फूल-माला पहनाई गई, तिलक लगाया गया और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर दर्शन किए गए पूजा के बाद ढोलक और मृदंग की थाप पर अहीर नृत्य शुरू हुआ जो पूरे कार्यक्रम के आकर्षण का केंद्र रहा ढोलक की थाप पर जब गौ माता थिरकने लगीं तो गांव के बच्चे-बूढ़े सभी झूम उठे बुजुर्गों ने कहा की यह उत्सव केवल पूजा नहीं, बल्कि गौ माता के प्रति हमारी श्रद्धा और पुरानी संस्कृति को बचाए रखने का पर्व है कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान में धूमधाम से मनाया गया दीपोत्सव

माँ सरस्वती के पूजन व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ शुभारंभ

गोसलपुर, यशभारत। प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान, जबलपुर में धनतेरस के पावन अवसर पर दीपोत्सव का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के मुख्य प्रवेश द्वार पर स्थापित ज्ञानदायिनी माँ सरस्वती जी की प्रतिमा के समक्ष विधि-विधान से पूजन-अर्चन और दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

प्राचार्य का संदेश और दीपोत्सव की शुभकामनाएं

संस्थान की प्राचार्य श्रीमती एफ. इक्का ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने समस्त प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को धनतेरस व दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में प्राचार्य श्रीमती एफ. इक्का ने कहा कि दीपोत्सव का यह पावन पर्व अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। उन्होंने सभी से ज्ञान के प्रकाश को जन-जन तक पहुँचाने और सकारात्मक ऊर्जा के साथ शिक्षण कार्य में योगदान देने का आह्वान किया।

बी.एड. और एम.एड. के विद्यार्थियों की रही सक्रिय सहभागिता

दीपोत्सव कार्यक्रम में बी.एड. और एम.एड. के विभागीय प्रशिक्षार्थियों के साथ-साथ नवप्रवेशी (फ्रेशर) छात्र-छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता



की। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक परिसर में दीप जलाए और माँ वीणावादिनी के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे संस्थान परिसर को दीयों की जगमगाहट से सजाया गया, जिससे माहौल भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बन गया।

कार्यक्रम में गणमान्य जनों की गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर संस्थान परिवार के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्राध्यापक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्राचार्य श्रीमती एफ. इक्का, वरिष्ठ आचार्य संजीव अग्रवाल, आर. एन. पटेल, श्रीमती ज्योत्सना दुबे, श्रीमती ललिता सपरा, विनीत चौहान, अर्चना दुबे, विनोद घोषी, श्रीमती ज्योति खरे, श्रीमती मृदुला शुक्ला, शेख मुनीर, छात्राध्यापक प्रदीप तिवारी, योगेन्द्र मिश्रा, विमल त्रिपाठी, रामरतन जँघेला, निधि दुबे, सुनीता लखनपाल, निकिता, राकेश अग्रवाल, ब्रजमोहन पटेल, राजेश ताएबाडे, धर्मेन्द्र केवट, सौरभ सिंह एवं अतुल उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक-दूसरे को दीपोत्सव की बधाई प्रेषित की।

पराली प्रबंधन के दावे फेल, पीछे रह गई गेंहू की बुआई

गोसलपुर कछपुरा खजुरी के किसान परेशान

गोसलपुर, यशभारत। शासन की ओर से पराली प्रबंधन के बड़े-बड़े दावे किए गए थे लेकिन जमीन पर सच्चाई कुछ और ही है मशीनें समय पर नहीं पहुंचीं जिसके चलते रबी सीजन में गेहूं की बुआई पिछड़ रही है गोसलपुर कछपुरा और खजूरी के किसान अब अपनी पीड़ा लेकर अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं।

खेत में पड़ी है पराली

किसान राजेन्द्र तिवारी जितेंद्र पालीवाल देवेंद्र पटेल केवल पटेल का कहना है की धान की कटाई के बाद खेतों में पराली पड़ी हुई है शासन ने कहा था की पराली प्रबंधन के लिए मशीनें गांव-गांव पहुंचेंगी, लेकिन आज तक कई गांवों में एक भी मशीन नहीं पहुंची किसान न तो पराली जला सकते हैं और न ही बिना मशीन के उसे हटा सकते हैं नतीजा, गेहूं की बुआई का सही समय निकलता जा रहा है।

बुआई लेट हुई तो पैदावार आधी

पीडित किसानो ने बताया की अगर 15-20 दिन और बुआई लेट हुई तो गेहूं की पैदावार आधी रह जाएगी कछपुरा खजुरी के किसानों का कहना है की एक तो खाद-बीज महंगा, ऊपर से मशीन का किराया,अब पराली की मार ने कमर तोड़ दी है।

कलेक्टर, एसडीएम और कृषि विभाग को सुनाई पीड़ा

परेशान किसानों ने कलेक्टर, एसडीएम और कृषि विभाग के अधिकारियों को आवेदन सौंपकर अपनी पीड़ा बताई है किसानों की मांग है की गांव में तत्काल पराली प्रबंधन की मशीनें भेजी जाएं मशीनों का किराया कम किया जाए लेट बुआई करने वाले किसानों को राहत दी जाए। किसानों ने चेतावनी दी है की यदि जल्द मशीनें नहीं पहुंचीं तो उन्हें मजबूरन पराली जलानी पड़ेगी जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

मानवीय संवेदनाओं की मिसाल : आर्थिक तंगी से जूझ रहे परिवार की मदद कर मोक्ष संस्था और मित्रों ने कराया अंतिम संस्कार



बरेला, यशभारत। गरीबी और बेबसी के बीच इंसानियत की एक मिसाल बरेला कस्बे में देखने को मिली। खेत में टपरिया बनाकर मजदूरी कर किसी तरह अपना जीवन यापन करने वाले जयकरण प्रजापति पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनकी पत्नी सुमन प्रजापति लंबे समय से बीमार थीं और मेडिकल अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था।इलाज से कोई राहत न मिलने पर परिवार ने अस्पताल से छुट्टी करवाकर उन्हें बरेला ले आया, जहाँ मंगलवार को उनकी मृत्यु हो गई। अत्यंत दयनीय आर्थिक स्थिति के कारण परिवार के पास अंतिम संस्कार तक के लिए पैसे नहीं थे।

स्थानीय युवाओं ने बढ़ाया मदद का हाथ

मुश्किल की इस घड़ी में परिवार ने 'मोक्ष संस्था' से संपर्क किया। संस्था के सदस्यों ने जबलपुर से अंतिम संस्कार के लिए ऑटो से आने की व्यवस्था की बात कही, लेकिन परिवार के पास ऑटो का किराया चुकाने के भी पैसे नहीं थे।

इसकी जानकारी मिलते ही आशीष ठाकुर के मार्गदर्शन में बरेला के युवा साथियों–विवेक, अर्पित, आदर्श, अनिकेत, निखिल, अमित एवं समस्त मित्रमंडली ने त्वरित पहल की।

मित्रमंडली ने आपस में आर्थिक सहयोग कर न सिर्फ ऑटो और अन्य व्यवस्थाओं के लिए राशि जुटाई, बल्कि अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी एवं अन्य आवश्यक सामग्री भी प्रदाय की। इसके पश्चात बरेला मुक्तिधाम में पूरे विधि-विधान के साथ उनका अंतिम संस्कार संपन्न कराया गया। सहयोगियों ने बताया कि यह मदद इसलिए भी जरूरी थी ताकि गरीब परिवार को भविष्य में मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने और अन्य पारंपरिक कार्यक्रमों को पूरा करने में किसी प्रकार की प्रशासनिक परेशानी का सामना न करना पड़े। समाज के इन युवाओं की इस संवेदनशील पहल की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है।

गोलबाजार क्रिकेट अकादमी ने 107 रन से जीता मुकाबला, अरमान ने बनाए 134 रन



जबलपुर , यशभारत। महाकौशल शहीद स्मारक ट्रस्ट एवं गोलबाजार क्रिकेट अकादमी के तत्वावधान में शहीद स्मारक गोलबाजार मैदान पर अंडर-16 इंटर क्लब लीग क्रिकेट प्रतियोगिता गोलबाजार कप का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के अंतर्गत गोलबाजार क्रिकेट अकादमी और ओएफके क्रिकेट अकादमी के बीच खेले गए 25-25 ओवर के मुकाबले में गोलबाजार क्रिकेट अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 107 रनों से जीत दर्ज की। मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गोलबाजार क्रिकेट अकादमी की टीम ने निर्धारित 25 ओवर में शानदार 279 रन बनाए। टीम की ओर से अरमान ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 134 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। वहीं मनोनीत नाथन ने 40, मोक्ष शुक्ला ने 32 और अमन ने नाबाद 25 रनों का योगदान दिया। ओएफके क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए नक्श गौतम ने 3, विहान ने 2 और अर्णव ने 1 विकेट हासिल किया।280 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओएफके क्रिकेट अकादमी की टीम 172 रन ही बना सकी। टीम की ओर से सार्थक ने 66, आराध्य ने 37 और मयंक ने 22 रन बनाए। गोलबाजार क्रिकेट अकादमी की ओर से आर्थिक तिवारी ने 2 विकेट लिए, जबकि मनोनीत नाथन, ओजस्व और केशव ने 1-1 विकेट हासिल किया। शानदार शतकीय पारी खेलने वाले अरमान को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

जूनियर राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में दमखम दिखाएंगे 26 जिलों के खिलाड़ी

जबलपुर , यशभारत। 5वीं जूनियर राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन 11 से 13 नवंबर तक एमएलबी खेल परिसर में किया जाएगा। मध्यप्रदेश एमेच्योर खो-खो संघ के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 26 जिलों के लगभग 750 खिलाड़ी एवं खेल अधिकारी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा, वहीं बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन मध्यप्रदेश टीम के लिए किया जाएगा।संघ के सचिव संजय यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश एमेच्योर खो-खो संघ की मान्यता प्राप्त इकाइयां भाग लेंगी। इसमें भोपाल, रायसेन, मंडला, नरसिंहपुर, दमोह, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, होशंगाबाद, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, मऊगंज, बालाघाट, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, पांढुर्णा, बैतूल, पन्ना, विदिशा, सिवनी, कटनी, सीहोर और मेजबान जबलपुर की टीमें शामिल होंगीप्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी 21 से 25 नवंबर तक गुजरात के बड़ौदा में आयोजित होने वाली 45वीं जूनियर राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस लिहाज से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर जगह बनाने का महत्वपूर्ण अवसर होगी। प्रतियोगिता के उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पाटन क्षेत्र के विधायक अजय विश्नोई होंगे, जबकि अध्यक्षता मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के सचिव दिग्विजय सिंह करेंगे। आयोजन को सफल बनाने में मध्यप्रदेश एमेच्योर खो-खो संघ के पंडित योगेंद्र दुबे, सचिव संजय यादव, विनोद पोद्दार, चंद्रशेखर स्वामी, नैंसी जैन, आफरीन शेख, पूजा बर्मन, शुभम काछी, विवेक यादव और अरुण काछी की भूमिका रहेगी।



आईपीएल में 2028 से दो नई टीमों की एंट्री की तैयारी, पुणे और वडोदरा सबसे आगे,12 टीमों का हो सकता है टूर्नामेंट

मुंबई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का दायरा एक बार फिर बढ़ने की तैयारी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) वर्ष 2028 से आईपीएल में दो नई फ्रेंचाइजी शामिल करने की संभावनाओं पर विचार कर रहा है। ऐसा होने पर लीग में टीमों की संख्या मौजूदा 10 से बढ़कर 12 हो जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नई टीमों को शामिल करने की दौड़ में महाराष्ट्र का पुणे और गुजरात का वडोदरा सबसे आगे चल रहे हैं। हालांकि, इस संबंध में अभी शुरुआती स्तर पर चर्चा चल रही है और बीसीसीआई की ओर से कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल का प्रस्तावित विस्तार वर्ष 2028 से 2032 के अगले मीडिया राइट्स चक्र के साथ हो सकता है। नई फ्रेंचाइजी को लेकर घरेलू कारोबारी समूहों के साथ अंतरराष्ट्रीय निवेश कंपनियां भी दिलचस्पी दिखा रही हैं। यूरोपीय बायआउट फंड परमीरा, अमेरिकी फैमिली ऑफिस और मिडिल ईस्ट के सॉवरेन वेल्थ फंड संभावित निवेशकों में शामिल बताए जा रहे हैं। अनुमान है कि प्रत्येक नई फ्रेंचाइजी का मूल्यांकन एक अरब डॉलर से अधिक हो सकता है। हाल के वर्षों में आईपीएल टीमों में हुए बड़े निवेश ने लीग के व्यावसायिक महत्व को और बढ़ाया है।

पुणे का आईपीएल से पुराना नाता नई टीम के लिए पुणे को मजबूत दावेदार माना जा रहा है। इस शहर का आईपीएल से पहले भी जुड़ाव रहा है। पुणे वॉरियर्स इंडिया ने 2011 से 2013 तक और राइजिंग पुणे सुपरजायंट ने 2016 तथा 2017 में आईपीएल में हिस्सा लिया था। इस दौरान शहर में क्रिकेट के प्रति दर्शकों की अच्छी रुचि और खेल से जुड़ा व्यावसायिक माहौल विकसित हुआ। यही वजह है कि पुणे को एक बार फिर फ्रेंचाइजी का मजबूत केंद्र माना जा रहा है।



वडोदरा को भी मिल सकता है मौका

गुजरात का वडोदरा भी नई फ्रेंचाइजी की दौड़ में प्रमुख दावेदार है। अहमदाबाद के नजदीक होने और गुजरात में खेल सुविधाओं के विस्तार की संभावनाओं के चलते इस शहर को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। देश में अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की योजनाओं के बीच वडोदरा को बड़े खेल केंद्र के रूप में विकसित करने की संभावनाएं भी देखी जा रही हैं।

अगले मीडिया राइट्स से रिकॉर्ड कमाई की उम्मीद

आईपीएल के 2023 से 2027 तक के मीडिया राइट्स से बीसीसीआई को करीब 48 हजार करोड़ रुपए मिले थे। क्रिकेट जगत के जानकारों का मानना है कि 2028 से शुरू होने वाले नए मीडिया राइट्स चक्र में यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। दो नई टीमों के जुड़ने से मैचों की संख्या, दर्शकों की पहुंच और प्रसारण अधिकारों का व्यावसायिक मूल्य बढ़ने की संभावना है। गौरतलब है कि वर्ष 2021 में लखनऊ और अहमदाबाद की टीमों को शामिल किए जाने के बाद आईपीएल में 10 फ्रेंचाइजी खेल रही हैं। अब 2028 से दो और टीमों को जोड़ने की योजना पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, पुणे और वडोदरा के नाम अभी संभावित दावेदारों के तौर पर ही सामने आए हैं। अंतिम फैसला बीसीसीआई की औपचारिक प्रक्रिया के बाद ही स्पष्ट होगा।

अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट

सेमीफाइनल भारत और अफगानिस्तान के बीच

अल अमेरात, एजेंसी। अंडर-19 एशिया कप 2026 में भारतीय युवा टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएई को 70 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। अल अमेरात में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 309 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की इस बड़ी उपलब्धि के नायक पूर्व भारतीय विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग रहे, जिन्होंने 168 गेंदों में 160 रन की शानदार पारी खेली। जवाब में यूएई की पूरी टीम निर्धारित 50 ओवर में 239 रन बनाकर आउट हो गई। अब खिताबी मुकाबले में पहुंचने के लिए भारत को अफगानिस्तान की चुनौती का सामना करना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मुकाबले में मिली हार के बाद भारतीय टीम ने इस मैच में दमदार वापसी की है।



भारतीय प्रशंसकों की निगाहें अब सेमीफाइनल पर टिकी हैं। यदि भारत और पाकिस्तान दोनों टीमें अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर फाइनल में पहुंचती हैं, तो एक बार फिर दोनों देशों के बीच खिताबी भिड़ंत देखने को मिल सकती है। ऐसे में भारतीय युवा खिलाड़ियों के पास लीग चरण की हार का हिसाब बराबर करने का भी मौका होगा। यूएई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही संभलकर खेलते हुए रन गति बनाए रखी। आर्यवीर सहवाग ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए यूएई के गेंदबाजों पर दबाव बनाया। उन्होंने अपनी 160 रन की पारी में शानदार शॉट लगाए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। दूसरे छोर पर वीके वनीत ने भी बेहतरीन सहयोग दिया। उन्होंने 69 गेंदों में 67 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों के बीच शानदार तालमेल की बदौलत भारतीय टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में सफल रही। 310 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही सटीक लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी की और लगातार विकेट निकालकर विपक्षी टीम को दबाव में रखा। यूएई के विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे। एक समय टीम 141 रन तक अपने छह प्रमुख बल्लेबाज गंवा चुकी थी। इसके बाद भी यूएई के बल्लेबाजों ने मुकाबले में वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने उनका संघर्ष ज्यादा देर तक नहीं चल सका। यूएई की ओर से अहमद खुदादार ने 74 गेंदों में 74 रन बनाकर संघर्ष किया। उन्होंने भारतीय गेंदबाजों का सामना करते हुए टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। पूरी टीम 50 ओवर में 239 रन पर सिमट गई।

अब श्रेयस अय्यर करेंगे कप्तानी, चौथे और पांचवें वनडे में रोहित शर्मा और विराट कोहली खेलेंगे

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम का न्यूजीलैंड दौरा जारी है। इस वक्त वनडे सीरीज खेली जा रही है। इसके तीन मैच हो गए हैं और दो बाकी हैं। टीम इंडिया दो मैच जीतकर सीरीज में बढ़त बना चुकी है। तीसरा मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। अब बाकी दो मैचों के लिए टीम इंडिया के स्क्वाड में बदलाव हो गया है। इसका ऐलान बीसीसीआई ने पहले ही कर दिया था। आखिर के दो वनडे मैचों में टीम की कमान श्रेयस अय्यर संभालेंगे, लेकिन क्या आपको पता है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा इन मैचों में खेलेंगे या फिर बाहर रहेंगे।



इस वक्त भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच वनडे मैचों की सीरीज खेली जा रही है। पहले दो मैच जीतकर भारत ने बढ़त बना ली है, तीसरा मैच बारिश के कारण रद हो गया। बाकी दो मैचों में शुभमन गिल टीम का साथ छोड़कर जा रहे हैं। उनकी जगह श्रेयस अय्यर कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। दरअसल इस वनडे सीरीज के बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज भी खेली जानी है, जिसमें ज्यादा वक्त नहीं है। ऐसे में शुभमन गिल टेस्ट की तैयारी के लिए जा रहे हैं और बाकी दो वनडे नहीं खेलेंगे। बीसीसीआई ने पहले ही इसका ऐलान कर दिया था, ईशान किशन को उपकप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस बीच बात अगर विराट कोहली और रोहित शर्मा की बात की जाए तो वे दोनों इस सीरीज के बाकी मैचों में भी खेलेंगे। कोहली और रोहित अब टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल मैच नहीं खेलते हैं, वे केवल वनडे टीम का हिस्सा हैं। ऐसे में दोनों प्लेयर्स बाकी बचे दो मैच खेलकर वापस आ जाएंगे। लेकिन टेस्ट के लिए जो टीम चुनी गई है, वो वहीं पर रहेंगी। सीरीज का पहला मुकाबला 19 नवंबर से शुरू होगा और 24 नवंबर तक चलेगा, जो ?वेलिंग्टन में खेला जाएगा। इसके बाद सीरीज का दूसरा और आखिरी मैच 27 नवंबर से शुरू होकर 2 दिसंबर तक चलेगा। क्राइस्टचर्च में होने वाले इस मुकाबले के तुरंत बाद सीजीज का समापन हो जाएगा। चौथे और पांचवें वनडे के लिए भारत की वनडे टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (उपकप्तान), अक्षर पटेल, नमन धीर, औकिब नबी, गुरनूर बराड़, रुतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर, कुलदीप यादव।

रंग संसार

अहान शेट्टी की सनकी को लेकर दर्शकों के बीच भारी उत्साह



मुंबई, यश भारत। बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी के सुपुत्र और नवोदित अभिनेता अहान शेट्टी की अगली बड़ी फिल्म सनकी को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्साह है। इस एक्शन और रोमांस से भरपूर फिल्म में अब खूबसूरत अभिनेत्री मेधा राणा की भी एंट्री हो गई है। टीनू सुरेश देसाई के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में अभिनेत्री मेधा अहान शेट्टी के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। मेधा इससे पहले फिल्म बॉर्डर 2 में वरुण धवन के साथ नजर आई थीं। बॉर्डर 2 की शानदार सफलता के बाद मेधा अपनी अगली फिल्म को लेकर काफी सोच-समझकर फैसला लेना चाहती थीं। वह किसी ऐसी बड़ी फिल्म का इंतजार कर रही थीं, जिसमें उन्हें कुछ अलग और दमदार करने का मौका मिले। जब उन्हें सनकी की कहानी सुनाई गई, तो उन्हें लगा कि यह वही फिल्म है, जिसका वह इंतजार कर रही थीं। मेधा पिछले दो महीनों से इस फिल्म के लिए लगातार तैयारी कर रही हैं। अपने किरदार को बेहतर तरीके से समझने और उसमें पूरी तरह ढलने के लिए उन्होंने कई वर्कशॉप में हिस्सा लिया है। इसके अलावा, किरदार की मांग के मुताबिक उन्होंने खास तैयारी भी की है। फिल्म की शूटिंग भोपाल में शुरू हो चुकी है और अब मेधा भी अहान शेट्टी और फिल्म की बाकी टीम के साथ शूटिंग में शामिल हो गई हैं। फिल्म में मेधा, अहान की प्रेमिका के किरदार में नजर आएंगी। उनका यह किरदार रोमांस, गहरे जज्बात और जबरदस्त एक्शन से भरपूर होगा।



मेधा हमेशा से ऐसे ही किरदार की तलाश में थीं, जिसमें उन्हें अभिनय के साथ-साथ एक्शन दिखाने का भी मौका मिले। पिछले दो महीनों से चल रही उनकी तैयारियां भी इसी किरदार को ध्यान में रखकर की जा रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि बॉर्डर 2 में अहान और मेधा अलग-अलग कलाकारों के साथ नजर आए थे, लेकिन अब दोनों पहली बार सनकी में एक-दूसरे के साथ रोमांस करते दिखाई देंगे। ऐसे में पर्दे पर दोनों की जोड़ी को देखना काफी दिलचस्प होने वाला है। सनकी की शूटिंग भोपाल में शुरू हो चुकी है और यह फिल्म 2027 में रिलीज होने वाली सबसे चर्चित एक्शन फिल्मों में से एक मानी जा रही है।

नाइट टी-शर्ट पहने मुंबई की सड़क पर दौड़ती रही करीना, चिल्ला रही- रुको, रुको

-सैफ अली पर हुए चाकू से हमले की कॉफी विद करण शो में सुनाई डरभरी दास्तां

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर ने जनवरी 2025 को उनके पति, अभिनेता सैफ अली खान को चाकू से हुए हमले का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस समय वह अपनी नाइट टी-शर्ट पहने ही मुंबई की सड़क पर दौड़ पड़ी थीं और किसी तरह एक ऑटो-रिक्शा रोकने की कोशिश कर रही थीं। कॉफी विद करण के लेटेस्ट एपिसोड में उन्होंने बताया कि हमले के बाद सैफ खून से लथपथ थे और वह गाड़ियों को रोकने के लिए चिल्ला रही थीं। सैफ और करीना ने उस हमले, उस पर उनके बच्चों की प्रतिक्रिया और परिवार पर पड़े भावनात्मक असर के बारे में बताया।



सैफ ने बताया कि कैसे उन्होंने अपने छोटे बेटे जेह को बचाने के लिए हमलावर का सामना किया, वहीं करीना ने खुलासा किया कि इस घटना के बाद करीब छह महीने तक वह ठीक से सो भी नहीं पाई थीं। सैफ ने बताया कि करीना उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए गाड़ी की तलाश में घर से बाहर दौड़ पड़ीं। उन्होंने उस रात करीना के हुलिए और उनके नाइट टी-शर्ट में बाहर दौड़ने को लेकर मज़ाक भी किया। करीना कपूर खान ने सैफ अली खान पर हुए चाकू के हमले की उस खौफनाक घटना के बारे में बताया। लोगों को लगा कि शायद करीना ने ही सैफ को चाकू मारा है, और वे पूछने लगे कि घर पर कोई नौकर क्यों नहीं था।

वहीं तैमूर ने अपने अब्बा से पूछा, क्या आप मरने वाले हैं? यह सुनकर दिल टूट जाता है। पूरी घटना बहुत डरावनी थी। करीना ने कहा कि मैंने अपनी नाइट टी-शर्ट पहनी हुई थी। किस्मत से किसी ने इसका वीडियो नहीं बनाया। मैं सड़क पर चिल्ला रही थी- रुको, रुको! यह बिल्कुल किसी फिल्म के सीन जैसा था। मेरे पास पजामा पहनने का भी समय नहीं था। मैं सड़क पर दौड़ पड़ी। यह बात किसी को नहीं पता, मैं पहली बार बता रही हूं। ऑटो-रिक्शा रोकने की कोशिश करते समय उन्होंने क्या पहना था, इस बारे में करीना ने आगे बताया, मैंने सच में बस एक टी-शर्ट पहनी थी जो काफी छोटी थी और मैं किसी पागल औरत की तरह सड़क पर दौड़ रही थी, बस एक रिक्शा मिल जाए, जबकि सैफ खून से लथपथ थे। सैफ ने मज़ाक में कहा कि उनकी टी-शर्ट बहुत छोटी थी और अगर उसका वीडियो बन जाता तो वह काफी चर्चा में रहता। हालाँकि, परिवार के लिए वह रात बेहद डरावनी थी।करीना ने बताया कि उन्होंने लिफ्ट के अंदर सैफ को बुरी तरह घायल हालत में देखा था। उन्होंने कहा कि मैंने लिफ्ट में सैफ को देखा और कहा, सैफ, ऐसा मत करो। तभी तैमूर ने उनकी तरफ देखा और पूछा, अब्बा, क्या आप मरने वाले हैं?



बेटे करण के साथ पिता धर्मेंद्र की पसंदीदा जगह पर पहुंचे सनी देओल, हुए भावुक

मुंबई, यश भारत। अभिनेता सनी देओल अपने पिता और दिग्गज कलाकार धर्मेंद्र के साथ बेहद खास रिश्ता साझा करते थे। हाल ही में, सनी देओल अपने पिता की यादों से जुड़ी एक बेहद खास जगह पर पहुंचे, जहां धर्मेंद्र अपना खाली समय बिताना पसंद करते थे। इस दौरान सनी के साथ उनके बेटे करण देओल भी मौजूद रहे। यहां पहुंचकर सनी अपने दिवंगत पिता को याद कर भावुक हो गए और उन्होंने सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो साझा किया है। सनी देओल ने अपने फार्महाउस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है, जिसमें वह अपने बेटे करण देओल के साथ खेतों में खड़े नजर आ रहे हैं। वीडियो में दोनों पिता-पुत्र खेती से जुड़े कामों को देख रहे हैं। इस दौरान सनी इस जगह को अपने पिता का फार्म बताते हुए सुनाई देते हैं, जो उनकी आवाज़ में भावनात्मक जुड़ाव को स्पष्ट करता है। इस वीडियो को और भावनात्मक बनाने के लिए, सनी ने अपनी फिल्म अपने का टाइटल सॉन्ग भी लगाया, जिसने दर्शकों के बीच गहरी संवेदना पैदा की। उन्होंने इसके साथ कैप्शन में सिर्फ तीन शब्द लिखे, मिसिंग यू पापा, जो उनके पिता के प्रति गहरे प्यार और सम्मान को दर्शाता है।

दरअसल, यह फार्महाउस महाराष्ट्र की लोनावला और खंडाला की पहाड़ियों के बीच स्थित है। मुंबई के फिल्मी माहौल और भागदौड़ से दूर, करीब 100 एकड़ में फैली इस संपत्ति को धर्मेंद्र अपना सुकून भरा ठिकाना मानते थे।

मां बनने की प्रबल इच्छा ज़ाहिर की आम्रपाली दुबे ने

मुंबई (ईएमएस)। बिग बॉस-20 शो के दौरान भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने अपनी जिंदगी के एक बेहद निजी और भावनात्मक पहलू पर खुलकर बात की है। आम्रपाली ने शो के दौरान मां बनने की अपनी प्रबल इच्छा ज़ाहिर की। उन्होंने बताया कि इस पड़ाव पर आकर मां बनना ही एक ऐसी चीज़ है, जिसे वह अपनी जिंदगी में सबसे ऊपर देखती हैं। अपनी साथी-कंटेस्टेंट लव गिल के साथ बातचीत करते हुए आम्रपाली ने बताया कि कैसे लोगों की देखभाल करने की उनकी आदत अब उनके व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा बन गई है, न कि यह केवल एक खेल की रणनीति है। लव गिल से बात करते हुए आम्रपाली ने स्पष्ट शब्दों में कहा, लोग सोचते हैं कि शो में मैं जैसे रहती हूं और लोगों के साथ व्यवहार करती हूं, वो मेरे गेम का हिस्सा है लेकिन नहीं यार यह मेरे व्यक्तित्व का हिस्सा है। उन्होंने अपनी भावनाओं को आगे बढ़ाते हुए कहा, बल्कि इस समय मुझे सिर्फ मां बनना दिख रहा है और कुछ नहीं। अभिनेत्री का कहना है कि लोगों के प्रति उनका केयर करने वाला नेचर उनके व्यक्तित्व का स्वाभाविक हिस्सा है, जिसे वे छिपा नहीं सकतीं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वह घर के अन्य सदस्यों जैसे यंग डीएससी, स्काउट ओपी और खुद लव गिल के प्रति भी एक मां की तरह सुरक्षात्मक महसूस करती हैं, क्योंकि वे उन्हें अपने बच्चों की तरह देखती हैं।



आम्रपाली ने अपनी भावनाओं को और अधिक स्पष्ट करते हुए कहा, मैं दिखावा नहीं कर सकती हूं कि मुझे लोगों की परवाह है। फिर, चाहे वह स्काउट, यंग और तुम कोई भी मेरे साथ होगा मैं उसका ख्याल रखूंगी। उन्होंने आगे बताया, ये मेरा असली नेचर बन गया है और मुझे लगता है कि ये मेरी उम्र की वजह से है। मैं सच में अब उम्र के उस पड़ाव पर आ गई हूं, जहां मुझे बच्चे को पालना है। यह उनके जीवन के एक नए और महत्वपूर्ण अध्याय की ओर इशारा करता है, जिसे वे पूरे दिल से अपनाने के लिए तैयार दिख रही हैं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब आम्रपाली ने मां बनने की अपनी इच्छा जाहिर की हो। इससे पहले भी, वह जियो सिनेमा/हॉटस्टार के चर्चित शो भोजपुरी बवाल में इस बारे में खुलकर बात कर चुकी हैं।

कागजी दावों के बीच जलते खेत
जिले में पराली समेटने में लगेंगे 333 दिन

जिले में 1200 एकड़ प्रतिदिन की क्षमता और 4 लाख एकड़ से अधिक का रकबा

कैसे रुकेगी खेतों में आग ?

अजय पांडे

जबलपुर, यशभारत। देशभर में इन दिनों पराली प्रबंधन और उससे फैलने वाले प्रदूषण को लेकर गंभीर बहस छिड़ी हुई है। जिले में भी प्रशासन ने खेतों में आग न लगाने और पराली प्रबंधन के दावे किए हैं, लेकिन धरातल पर मौजूद आंकड़े इन दावों की पोल खोलते नजर आ रहे हैं। प्रशासन की मौजूदा व्यवस्था और सीमित संसाधनों को देखते हुए यह साफ है कि किसानों के सामने मजबूरी के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

बड़े दावे और चौंकाने वाले आंकड़े

प्रशासन की योजना के अनुसार, पराली को खेतों में जलाने से रोकने का प्रमुख उपाय बायोप्लांट्स में इसका उपयोग करना है। इसके लिए बेलर मशीनों के जरिए पराली के गट्ठे (बेलर) बनाए जाते हैं और उनका उठाव किया जाता है।

- **जिले में सक्रिय मशीनें:** जबलपुर में इस समय 4 कंपनियां काम कर रही हैं, जिनके पास कुल लगभग 40 बेलर मशीनें हैं।
- **दैनिक क्षमता:** प्रत्येक बेलर मशीन की औसतन क्षमता 25 से 30 एकड़ प्रतिदिन पराली समेटने की है। इस हिसाब से सभी 40 मशीनें मिलकर प्रतिदिन अधिकतम 1200 एकड़ जमीन से ही पराली इकट्ठा कर सकती हैं।
- **वास्तविक रकबा:** सरकारी गिरदावली आंकड़ों के अनुसार ही जिले में लगभग 4 लाख एकड़ जमीन पर धान की बुवाई का आकलन दर्ज किया गया है, जबकि वास्तविकता इससे 10 से 20% अधिक है।



गणित जो प्रशासन के दावों को झुठलाता है

आंकड़ों का विश्लेषण किया जाए तो एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आती है।

- **333 दिनों का गणित:** यदि जिले के कुल रकबे का आकलन करें, तो 1200 एकड़ प्रतिदिन की क्षमता के हिसाब से पूरे रकबे की पराली समेटने में करीब 333 दिन (यानी लगभग पूरा साल) लग जाएंगे।
- **फसलों का चक्र:** जबलपुर के एक बहुत बड़े हिस्से में फसल चक्र बहुत तेजी से बदलता है। धान की कटाई के तुरंत बाद गेहूं, मटर या अन्य फसल की बुवाई होती है, और उसके तुरंत बाद उड़द व मूंग बोई जाती है। ऐसे में किसानों के पास एक-एक दिन की कीमत होती है। इतने कम समय में इन मशीनों के जरिए पराली का प्रबंधन होना तकनीकी रूप से असंभव है।

बायोप्लांट की क्षमता बनाम पराली की भारी मात्रा

संकट यहीं खत्म नहीं होता। रिलायंस के बायोफ्यूल प्लांट की सालभर की कुल क्षमता 60,000 टन की है, जबकि अकेले जबलपुर जिले में ही अनुमानित तौर पर 9 लाख टन पराली पैदा होती है। ऐसे में यह बड़ा सवाल उठता है कि न्यूनतम संसाधनों के सहारे शासन आखिर किसानों पर दबाव क्यों बना रहा है?



कृषि विभाग के विकल्प और किसानों पर आर्थिक बोझ

कृषि विभाग के अधिकारियों का तर्क है कि किसान 'हैप्पी सीडर' या 'सुपर सीडर' जैसी मशीनों का उपयोग कर सकते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि:

* एक सामान्य सीडर की कीमत डेढ़ से दो लाख रुपये होती है।
* वहीं हैप्पी सीडर और सुपर सीडर की कीमत चार से पांच लाख रुपये के बीच है। किसानों का कहना है कि पहले से आर्थिक संकट और सीमित संसाधनों से जूझ रहे अन्नदाताओं पर यह अतिरिक्त वित्तीय बोझ डालना कहां का न्याय है?



प्रशासनिक सुस्ती और किसानों के तीखे सवाल

जबलपुर के किसानों और जानकारों का आरोप है कि कृषि विभाग और प्रशासनिक अधिकारी केवल फसल कटाई के इस सीजन में चंद दिनों के लिए जागते हैं और बाकी चार महीने सो जाते हैं। यदि पराली का स्थायी प्रबंधन करना था, तो इसकी तैयारी महीनों पहले से होनी चाहिए थी। प्रशासन की ओर से कुछ बड़े किसानों के उदाहरण दिए जाते हैं जो 2-3 हजार एकड़ में आधुनिक प्रयोग कर रहे हैं, लेकिन जिले के विशाल कृषि क्षेत्र में इक्का-दुक्का बड़े उदाहरणों से बात नहीं बनने वाली। किसानों की साफ मांग है कि यदि सरकार वास्तव में प्रदूषण रोकना चाहती है, तो उन्हें पर्याप्त आर्थिक सहयोग और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, वरना सिर्फ प्रशासनिक डंडे और कागजी दावों से खेतों में आग लगने की घटनाओं को नहीं रोका जा सकता।



सीसीटीवी फुटेज से उपद्रवियों की पहचान करेगी पुलिस

पार्किंग विवाद ने लिया हिंसक रूप
पत्थरबाजी के बाद थाने में हंगामा

जबलपुर, यशभारत। ओमती थाना क्षेत्र के भरतीपुर में वाहन पार्किंग को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते दो पक्षों के बीच हिंसक संघर्ष में बदल गया। उड़िया और सोनकर समाज के लोगों के बीच कहासुनी के बाद दोनों तरफ से पत्थरबाजी किए जाने की खबर है। अचानक हुए इस घटनाक्रम से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। विवाद में कुछ लोगों के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है। घटना के बाद आक्रोशित उड़िया और यादव समाज के लोग बड़ी संख्या में ओमती थाने पहुंच गए और जमकर विरोध जताया। लोगों ने विवाद में शामिल आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए थाने में हंगामा किया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों पक्षों की शिकायतों पर जांच और कार्रवाई शुरू कर दी है।

अवैध नशे के कारोबार को लेकर भी उठे सवाल

घटना के बाद क्षेत्रीय निवासियों ने इलाके में लंबे समय से कथित रूप से चल रहे अवैध नशे के कारोबार पर भी सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नशे के अवैध कारोबार के कारण क्षेत्र में आए दिन विवाद और तनाव की स्थिति बनती रहती है। लोगों ने पुलिस से इस पर भी प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है।

सीसीटीवी फुटेज से होगी उपद्रवियों की पहचान

सीएसपी ने बताया कि उड़िया और सोनकर समाज के बीच विवाद की सूचना मिलते ही पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंच गया था। विवाद में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया है। फरियादी पक्ष की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमें जुटी हुई हैं। एडिशनल एसपी आयुष जाखड़ ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर उपद्रव करने वालों की पहचान की जाएगी और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

चाकूबाजी में घायल युवक की मौत, आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर, यशभारत। अधारताल थाना क्षेत्र के न्यू कंचनपुर में पुरानी रंजिश के चलते हुई चाकूबाजी की वारदात में गंभीर रूप से घायल युवक ने आखिरकार दम तोड़ दिया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कई दिनों से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे वैभव मेहता उर्फ चंदू की उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत के बाद पुलिस ने मामले में हत्या की धाराएं बढ़ाते हुए आरोपी साहिल राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, घटना 4 नवंबर की शाम करीब 7:45 बजे की है। वैभव मेहता उर्फ चंचू अपने दोस्त कुशाग्र यादव उर्फ पट्टू के साथ घर लौट रहा था। इसी दौरान न्यू कंचनपुर में साहिल गौतम उर्फ साहिल राजपूत के घर के सामने उसे रोक लिया गया। दोनों के बीच पहले से पुरानी रंजिश चली आ रही थी। इसी बात को लेकर उनके बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते गाली-गलौज और मारपीट में बदल गई। विवाद के दौरान साहिल ने जेब से चाकू निकालकर वैभव की पीठ और गर्दन पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में वैभव गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हालत में गिर पड़ा। घटना के बाद उसे तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी था। लेकिन गंभीर चोटों के चलते उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। अधारताल थाना प्रभारी विपिन ताम्रकार के अनुसार, वैभव की उपचार के दौरान मौत हो गई है। पुलिस ने मामले में आरोपी साहिल राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है। युवक की मौत के बाद प्रकरण में नियमानुसार हत्या की धाराओं के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

दीपावली के बाद ठंड दिखाने लगी अपने तेवर

सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस कम रहा तापमान, ओस और आद्रता में बढ़त

जबलपुर यश भारत। दीपावली के बाद से ठंड अपने तेवर दिखाने लगी है। यद्यपि दिन में लोगों को गर्मी का अहसास पहले के समान हो रहा है। लेकिन शाम 5बजे के बाद से ठंड अपना अहसास कराने लगी है। लोगों ने अपने गर्म कपड़े निकाल लिए हैं। शहर का न्यूनतम तापमान 9.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 3 डिग्री कम रहा। हवा की गति 3 से 5 किलोमीटर प्रति घंटा आंकी गई। जो ठंड का अहसास करा रही है। सूर्य दक्षिणायन होने के साथ दिन क्रमशः छोटे होते जाने के कारण ठंड की तीव्रता बढ़ा रही मौसम विज्ञानियों के अनुसार अब ठंड धीरे धीरे अपने पैर फैलाती जा रही। वर्तमान में आद्रता 62फीसदी रही। जबकि वर्षा शून्य आंकी गई ?।गत वर्ष आज के दिन वर्षा 177 एम एम रही। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष ऐन दीपावली के दिन विक्षोभ के चलते जम कर वर्षा हुई थी और मौसम भी वर्षा ऋतु जैसा हो गया था। मौसम विज्ञानियों के अनुसार दीपावली के चलते पारे में ज्यादा गिरावट नहीं आई है। लेकिन आगामी दिनों में पारा तेजी से नीचे आने की संभावना है ?। आज सूर्योदय का समय 6.22बजे और सूर्यास्त 5.27बजे शाम को होगा।

दो दिन से बंद था क्वार्टर, अंदर मिला प्रधान आरक्षक का शव

परिवार गया था गांव



जबलपुर, यशभारत। सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित पुलिस लाइन परिसर के क्वार्टर में मंगलवार को एक प्रधान आरक्षक का शव मिलने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान सुरेश चौधरी के रूप में हुई है, जो रांझी थाने में पदस्थ थे और वर्तमान में उनकी ड्यूटी पुलिस लाइन में लगी हुई थी। वे पुलिस लाइन के क्वार्टर क्रमांक 5-सी में अकेले रह रहे थे। जानकारी के अनुसार, पिछले दो दिनों से प्रधान आरक्षक के क्वार्टर का दरवाजा बंद था। काफी देर तक कोई हलचल नहीं होने और अंदर से प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर आसपास रहने वाले लोगों को संदेह हुआ। इसके बाद पड़ोसियों ने खिड़की की ग्रिल तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां सुरेश चौधरी मृत अवस्था में पड़े मिले। घटना के समय उनका परिवार त्योहार मनाने गांव गया हुआ था। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि प्रधान आरक्षक अत्यधिक शराब पीने के आदी थे। बताया गया है कि घटना से दो दिन पहले भी उन्होंने शराब का सेवन किया था। प्रारंभिक जानकारी में फांसी लगाने की बात सामने आई है, हालांकि फिलहाल किसी जहरीले पदार्थ अथवा अन्य वस्तु के सेवन की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि मृत्यु के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

श्रीमती सरस्वती बाई का स्वर्गवास



श्री अजय गुप्ता एवं श्री मनोज गुप्ता की पूज्यनीय माताजी श्रीमती सरस्वती बाई का स्वर्गवास दिनांक 11 नवंबर 2026, बुधवार को प्रातः 9:00 बजे हो गया। उनकी अंतिम यात्रा आज दिनांक 11 नवंबर 2026 को निज निवास A-84, समदड़िया रेसीडेंसी, शताब्दीपुरम से शाम 4 बजे ग्वारीघाट मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी।



















स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम विवेकानंद वार्ड जबलपुर से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक प्रवीण अग्रहरि, संपादक अम्बरीष तिवारी*, सलाहकार संपादक श्याम कटारे
RNI No. MPHIN/2007/18675। फोन-2643333 email - jabalpur@yashbharat.co.in। (*पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)